● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 318, पृष्ठ : 08, सीधी, सोमवार , 06 जनवरी 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

नई दिल्ली सीट पर होगा त्रिकोणीय मुकाबला 5

सीरीज हार के बाद गंभीर का खिलाड़ियों को मैसेज 6

आप-दा सरकार सिर्फ झूठ बोलती है : पीएम

आप-दा सरकार, कट्टर बेईमान , रैली में पीएम मोदी का आप पर हमला

नई दिल्ली। दिल्ली के अशोक विहार की रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम आदमी पार्टी पर जमकर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तंज कसा। उन्होंने आप सरकार को कट्टर बेईमान बताया। पीएम ने कहा कि जब दिल्ली के लोग कोरोनो से जूझ रहे थे, जब दिल्ली के लोग ऑक्सीजन और दवाओं के लिए भटक रहे थे। तब इन लोगों का पूरा फोकस अपना शीश महल बनवाने पर था। इन्होंने शीश महल का भारी भरकम बजट बनाया। यही इनकी सच्चाई है। इन्हें दिल्ली के लोगों की कोई परवाह नहीं है। इसलिए आज हर दिल्लीवासी कह रहा है। आप-दा नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे।

पीएम मोदी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि दिल्ली विधानसभा में भी कमल खिलने वाला है। मैं

दिल्ली भाजपा के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं से कहूंगा कि पूरी निष्ठा के साथ दिल्ली के हर कार्यकर्ता से मिलिए, उन्हें आने वर्षों के लिए भाजपा के संकल्प से परिचित कराइए। ये भाजपा ही है, जो दिल्ली को, दुनिया की बेहतरीन राजधानी का गौरव दिला सकती है। हम दिल्ली को दुनिया की ऐसी राजधानी बनाना चाहते हैं जिसमें भारत की विरासत का विराट स्वरूप दिखे। नई वैश्विक व्यवस्थाओं का सेंटर हो। ये तब ही हो सकता है जब केंद्र और राज्य, दोनों में भाजपा सरकार काम करे।

पीएम ने कहा कि आप-दा वालों के काम का कोई हिसाब नहीं है, लेकिन इनके कारनामे बेहिसाब हैं। ये तब होता है जब नीयत में खोट होता है और जनता के प्रति निष्ठा नहीं होती है। ये आप-दा वाले दिल्ली चुनाव में अपनी हार सामने देखकर बौखला गए हैं, झूठ फैला रहे हैं।

पीएम ने परिवर्तन रैली को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली पर आप-दा लाने वाले ये झूठा आरोप लगाते हैं कि केंद्र सरकार उन्हें काम नहीं करने देती। केंद्र सरकार उन्हें पैसे नहीं देती। ये कितने बड़े झूठे हैं। इसका उदाहरण इनका शीशमहल है। आज ही एक बड़े अखबार ने कैग रिपोर्ट के आधार पर शीश महल पर हुए खर्च का खुलासा किया है। ये सिर्फ झूठ बोलते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि जिस आप-दा सरकार के पास दिल्ली के लिए कोई विजन न हो, जिसे दिल्ली की परवाह न हो, वह दिल्ली का विकास नहीं कर सकती है। दिल्ली को आधुनिक बनाने के लिए जितने भी काम हैं वो केंद्र की भाजपा सरकार ही कर रही है। आप-दा वालों ने दिल्ली के 10 साल बर्बाद कर दिए। आप-दा वालों को कोई भी दायित्व मिलने का मतलब है... दिल्ली के लोगों को दंड मिलना।

पीएम मोदी ने कहा कि ये भाजपा ही है जो दिल्ली का विकास कर सकती है। दिल्ली के भविष्य के लिए ये बहुत महत्वपूर्ण चुनाव है। बीते 10 साल में दिल्ली ने जिस तरह की राज्य सरकार देखी है, वो किसी %आप-दा% से कम नहीं है। यह एहसास आज दिल्ली वालों को अच्छे से हो चुका है। इसलिए अब दिल्ली में एक ही आवाज गूंज रही है- आप-दा नहीं सहेंगे... बदल के रहेंगे। पीएम ने कहा कि अब दिल्ली विकास की धारा चाहती है और मुझे खुशी है कि दिल्ली का विश्वास भाजपा पर है। भाजपा पर ये विश्वास इसलिए है, क्योंकि भाजपा सुशासन लाने वाली पार्टी है, भाजपा सेवाभाव से काम करने वाली पार्टी है, भाजपा सपनों को पूरा करने वाली पार्टी है।

गुरुकुल परम्परा को आत्मसात कर हम फिर से बनेंगे विश्व गुरु : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाने वाला गुरु ही होता है। गुरु अपने विद्यार्थी में निहित अनंत संभावनाओं को पहचान कर इसका चारित्रिक एवं शैक्षणिक विकास करते हैं। हमारी पुरातन गुरुकुल परम्परा आज भी प्रासंगिक है। आज कई विकसित देश हमारी पुरानी गुरुकुल परम्परा को अपनाकर अपने बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं। हमें भी पुनः उसी गुरुकुल परम्परा से जुड़ना होगा, तभी हमारा देश फिर से विश्व गुरु बन सकेगा। हम प्रदेश में क्लास के अंदर और क्लास के बाहर भी विद्यार्थियों को जीवन एवं नैतिक मूल्य तथा व्यावहारिक शिक्षा देकर उनके समग्र विकास की ओर बढ़ रहे हैं। मजबूत इरादों और शैक्षणिक गुणवत्ता में आमूल-चूल सुधार लाकर हम प्रदेश को शिक्षा के मामले में देश का एक मॉडल एजुकेशन स्टेट बनायेंगे। इसमें शिक्षकों की बड़ी अहम भूमिका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को कलेक्टर कार्यालय, उज्जैन के एनआईसी से वर्चुअली जुड़कर स्टार्स प्रोजेक्ट के तहत अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक भ्रमण के लिए सिंगापुर जाने वाले चयनित शिक्षकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षक हमारे लिए सदैव पूजनीय हैं, हम विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में उनकी अनंत क्षमताओं और सुदीर्घ अनुभवों का प्रदेश के शैक्षणिक विकास एवं विस्तार में अधिकतम सदुपयोग करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शैक्षणिक परिदृश्य में हमारा इतिहास समृद्ध रहा है। नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला विश्वविद्यालयों एवं उज्जैन के सांदीपनी आश्रम सहित अन्य विश्वविख्यात शैक्षणिक संस्थाओं ने तत्कालीन समय में उच्चकोटि की शिक्षा देकर राष्ट्र को उपकृत किया। तत्समय गुरुओं में अपने विद्यार्थियों के कला-कौशल को पहचनाने की। एक दृष्टि होती थी, यही कारण था कि भगवान श्रीराम-लक्ष्मण और श्रीकृष्ण ने भी अपने गुरुओं से ही शिक्षा-दीक्षा ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आज के शिक्षकों में भी गुरु की वही दृष्टि विकसित करना चाहते हैं।

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर सिद्धारमैया ने लगाया विराम

दावणगेरे। कर्नाटक में सत्ताधारी दल कांग्रेस के नेतृत्व में परिवर्तन की अटकलों के बीच, सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य कांग्रेस अध्यक्ष या मुख्यमंत्री के बारे में कोई भी फैसला पार्टी हाईकमान की तरफ से लिया जाएगा, और वह नेतृत्व के परामर्श से ही अपने मंत्रिमंडल में खाली पदों को भरने का फैसला करेंगे। ये बात सीएम सिद्धारमैया ने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष को बदलने के बारे में पूछे गए सवाल पर कही, उन्होंने कहा %यह आलाकमान की तरफ से तय किया जाएगा, हम नहीं। केपीसीसी अध्यक्ष, मुख्यमंत्री - सब कुछ आलाकमान की तरफ से तय किया जाता है।

वहीं कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले में उनके खिलाफ आरोपों के बाद मंत्री बी नागेंद्र के इस्तीफे के बाद कैबिनेट में खाली हुए स्थान को भरने पर, सीएम ने कहा, मैं आलाकमान से चर्चा करूंगा और उस खाली स्थान को भरूंगा। वहीं सीएम ने इस दौरान कहा कि उनकी सरकार अनुसूचित जातियों (एससी) के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम सिद्धारमैया ने एक सवाल के जवाब में कहा, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आंतरिक आरक्षण दिया जाना चाहिए, लेकिन जैसा कि कुछ लोगों ने कहा है कि कोई अनुभवजन्य डेटा नहीं है, (न्यायमूर्ति) नागमोहन दास की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया गया है। हम आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बता दें कि, कांग्रेस सरकार ने नवंबर में सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एचएन नागमोहन दास को एससी के बीच आंतरिक आरक्षण की सिफारिश करने के लिए एक आयोग का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया था।

प्रगति यात्रा पर निकले सीएम नीतीश का लालू-राबड़ी शासन पर हमला

मुजफ्फरपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज फिर स्पष्ट कर दिया है कि वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में ही रहेंगे। इतना ही नहीं उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के ऑफर का भी संदेश के जरिए जवाब दे दिया। उन्होंने कहा कि हम दो बार गलती से उनलोगों के साथ चले गये थे लेकिन अब उनको छोड़कर इधर आ गये हैं। अब पुराने साथियों के साथ ही है। उनलोगों ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया। महिलाओं के लिए भी कोई काम नहीं किया। शाम होने के बाद कोई घर से निकलता था? 2005 के बाद हमलोगों ने काफी काम किया।

आपकी पीढ़ी 2047 तक भारत के गौरव का निर्माण करेगी : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर-2025 का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने युवाओं से कहा कि दुनिया का कोई भी देश तब तक तरक्की नहीं कर सकता, जब तक उसके नागरिक राष्ट्रवाद के प्रति गहराई से प्रतिबद्ध न हों। राष्ट्रवाद को हमारे सभी हितों चाहे व्यक्तिगत हो या संगठनात्मक से ऊपर होना चाहिए। अपनी मातृभूमि के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में इन गुणों को बनाए रखें। आपकी पीढ़ी 2047 तक भारत के गौरव का निर्माण करेगी। उन्होंने

कहा कि आप देश के बेहतरीन युवाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। एनसीसी में आपकी सदस्यता एक अत्यधिक अनुशासित बल के तौर पर आपको उन गुणों को आत्मसात करने में सक्षम बनाती है जो मानव विकास के लिए आवश्यक हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय परिवर्तन की नींव पांच प्रमुख स्तंभों पर टिकी है। इसमें सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक प्रबोधन, पर्यावरण चेतना, आत्मनिर्भरता और नागरिक कर्तव्य शामिल है। सामाजिक सद्भाव विविधता को राष्ट्रीय एकता में बदलता है इसकी आज के समय में आवश्यकता है। जमीनी स्तर पर देशभक्ति के मूल्यों को पोषित करना हमारे पारिवारिक प्रबोधन का हिस्सा होना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमें पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए। उसका संरक्षण और सृजन करना चाहिए। स्वदेशी और आत्मनिर्भरता आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक हैं और हमें इन्हें बढ़ावा देना चाहिए।

शहर की सांस्कृतिक विरासत है भोपाल उत्सव मेला : राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि भोपाल उत्सव मेला व्यापारिक मेला ही नहीं है, बल्कि देश की संस्कृति साहित्य और कला को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बना है। मेले की देश, प्रदेश में विशिष्ट पहचान बनी है। उन्होंने मेले की सफलता के लिए मेले से जुड़े सभी हितधारकों आयोजकों और भोपाल के निवासियों को बधाई दी है। राज्यपाल श्री पटेल आज भोपाल उत्सव मेला के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

पोरबंदर में तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर क्रैश, तीन की मौत

पोरबंदर। गुजरात के पोरबंदर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल वहां तटरक्षक बल का एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है। भारतीय तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर एएलएच (एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर) ध्रुव रुटीन उड़ान पर था, जिस दौरान वह हादसे का शिकार हो गया। हादसे में क्रू के सदस्यों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। क्रू के सदस्यों को जली हुई हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर पोरबंदर हेलीकॉप्टर पर रविवार दोपहर करीब 12 बजे हादसे का शिकार हुआ। हेलीकॉप्टर नियमित उड़ान पर था और हादसा हेलीकॉप्टर की लैंडिंग के वक्त हुआ। लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर में आग लग गई। हेलीकॉप्टर में दो पायलट समेत कुल तीन लोग थे। इस दुर्घटना में तीनों की मौत हो गई।

महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए तैयार है रेलवे

प्रयागराज। महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन के लिए संगम नगरी तैयार है। महाकुंभ में श्रद्धालुओं की किसी भी असुविधा से बचाव के लिए मेला प्रशासन के साथ ही रेलवे ने भी तैयारी पूरी कर ली है। महाकुंभ में रेलवे की तैयारियों की जानकारी देते हुए उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि महाकुंभ में मेला प्रशासन ने लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान लगाया है। रेलवे के लिए इतनी बड़ी संख्या में भीड़ को नियंत्रित

करना किसी चुनौती से कम नहीं है। श्रद्धालुओं की महाकुंभ की यात्रा सुलभ हो इसके लिए रेलवे ने भी समुचित तैयारी कर ली है। महाकुंभ में आने और जाने के मार्ग को अलग अलग किया गया है। जिससे की लोग आसानी से महाकुंभ की अनुपम छटा का आनंद लेने के साथ ही बिना किसी असमंजस की स्थिति का सामना किए ही प्रस्थान कर सकें। इसके साथ रेलवे स्टेशन पर भी भीड़ नियंत्रण के उपाय किए गए है। श्रद्धालु स्टेशनों के बाहर बने यात्री केंद्रों से होते हुए ही प्लेटफार्म पर जा सकेंगे। महाकुंभ के 50 दिन के दौरान रेलवे लगभग 13000 ट्रेनों का संचालत करेगा। साथ ही यह संचालन महाकुंभ समापन के दो दिनों के बाद तक होता रहेगा। महाकुंभ के दौरान चलने वाली 13000 ट्रेनों में 10000 नियमित और 3000 विशेष ट्रेनें होगी। साथ ही 700 मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

पुरी में जगन्नाथ मंदिर के ऊपर दिखा संदिग्ध ड्रोन, हड़कंप

पुरी। रविवार की सुबह पुरी में स्थित प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर के ऊपर ड्रोन देखे जाने के बाद हड़कंप मच गया। ड्रोन को सुबह करीब 4:10 बजे मंदिर के ऊपर देखा गया और यह करीब आधे घंटे तक मंदिर के ऊपर मंडराता रहा। इससे मंदिर की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल पैदा हो गए। गौरतलब है कि जगन्नाथ मंदिर और इसके आसपास का इलाका नो-फ्लाइंग जोन है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना की जांच के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। मीडिया

रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार मंगला अलति अनुष्ठान के दौरान ड्रोन श्रीमंदिर के ऊपर से उड़ता हुआ दिखा। ड्रोन श्रीमंदिर के नीलचक्र और धादिनौती के ऊपर दिखाई दिया। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने घटना पर चिंता जताते हुए कहा, मंदिर के ऊपर ड्रोन उड़ाना गैरकानूनी है यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।

शुरू हुई दिल्ली से मेरठ के लिए नमो भारत ट्रेन

नई दिल्ली। दिल्ली से मेरठ के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर का उद्घाटन किया है। अब दिल्ली से मेरठ का सफर केवल 40 मिनट में किया जा सकेगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद टिकट खरीदकर नमो भारत ट्रेन में सफर किया। बीते लंबे समय से दिल्ली से मेरठ तक का सफर करने वाले यात्री इस ट्रेन के शुरू होने का इंतजार कर रहे थे। यह इंतजार अब खत्म हो गया है। गौरतलब है कि यह ट्रेन अभी तक साहिबाबाद से मेरठ साउथ के बीच चलती थी, और इस दौरान रेपिड रेल करीब 42 किलोमीटर का सफर तय करती थी।

राहुल गांधी ने बताया भाजपा-कांग्रेस में अंतर

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को भाजपा और कांग्रेस में अंतर बताया। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस निष्पक्ष रहने वालों में से है। जबकि भाजपा की सोच आक्रामक है। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने शिक्षा पर अधिक खर्च करने और सार्वजनिक संस्थानों को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंनें कहा कि निजीकरण और वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हासिल नहीं की जा सकती है।

राहुल गांधी ने आईआईटी मद्रास के छात्रों के साथ बातचीत की। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कई मुद्दों पर बात की, जिसमें शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए वे जो बदलाव करना चाहते हैं, वह भी शामिल हैं।

उन्होंने छात्रों के साथ अपनी बातचीत का एक संपादित वीडियो एक्स पर साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि अपने लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की गारंटी देना किसी भी सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इसे निजीकरण और वित्तीय प्रोत्साहनों के जरिए हासिल नहीं किया जा सकता। हमें शिक्षा और सरकारी संस्थानों को मजबूत करने पर बहुत अधिक पैसा खर्च करने की जरूरत है।

आधे भारत ने ओढ़ी घने कोहरे की चादर, दो दिन रहेगा कोहरा

नई दिल्ली। उत्तर से लेकर मध्य और पूर्वोत्तर समेत लगभग आधे भारत ने घने कोहरे की चादर ओढ़ ली है। लगातार दूसरे दिन ज्यादातर क्षेत्रों में दृश्यता शून्य तक पहुंच गई। शीतलहर और घने कोहरे के कारण सड़क यातायात से लेकर ट्रेन व विमान सेवाएं तक बुरी तरह चरमरा गईं। दिल्ली में उतरने वालीं 19 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा, जबकि 400 से ज्यादा उड़ानों के आवागमन में देरी हुई। समूचे उत्तर भारत में करीब 200 ट्रेनें भी देर से चलीं। अगले दो दिन भी घना कोहरा छाए रहने, पहाड़ों पर हिमपात और कुछ मैदानी इलाकों में बारिश की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर में 5 जनवरी को भारी बारिश व बर्फबारी हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक, 14 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में घने कोहरे का असर दिखा। दिल्ली के पालम, सफदरजंग, जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर, हरियाणा के हिसार, पंजाब के पटियाला, अमृतसर, पठानकोट, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश के बरेली, झांसी, बहराइच, वाराणसी, आगरा, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर, मध्य प्रदेश के ग्वालियर, राजस्थान के श्रीगंगानगर, बिहार के पूर्णिया, भागलपुर व असम के गुवाहाटी में घने कोहरे के कारण दृश्यता शून्य रही। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा और त्रिपुरा में कई जगहों पर दृश्यता 50 से 200 मीटर के बीच दर्ज की गई। दृश्यता कम होने से सड़कों पर वाहन रेंगते रहे और पटरियों पर ट्रेनों की रफ्तार थम गई। तय समय पर उड़ान भरने की विमानों की तैयारी भी धरी की धरी रह गई। घने कोहरे को देखते हुए इंडिगो एयरलाइंस ने अस्थायी तौर पर सुबह के समय अपने विमानों के आगमन-प्रस्थान पर रोक लगा दी है। एअर इंडिया और इंडिगो ने यात्रियों को उड़ानों के समय की जानकारी लेने के बाद ही घर से निकलने की सलाह दी है।

दिल्ली के साथ, शनिवार को चंडीगढ़, श्रीनगर, अमृतसर, गुवाहाटी व पटना में सबसे ज्यादा उड़ानें प्रभावित हुईं। दिल्ली में 13 घरेलू, दो अंतरराष्ट्रीय और दो गैर-निर्धारित उड़ानों को कोहरे के कारण लैंडिंग के लिए दूसरे शहरों में भेजना पड़ा। दोपहर तक मौसम साफ होने के बाद उड़ानें सामान्य हुईं।

उत्तर रेलवे की ट्रेनों के संचालन पर सबसे बुरा असर पड़ा है। 59 से अधिक ट्रेनें छह घंटे और 22 से अधिक ट्रेनें आठ घंटे से भी अधिक देरी से चलीं। कई अन्य ट्रेनें भी एक से चार घंटे तक देरी से चलाई जा रही हैं। इन ट्रेनों में वंदे भारत, जम्मू राजधानी, आंध्र एक्सप्रेस, जीटी एक्सप्रेस भी शामिल रहीं। नई दिल्ली, आनंद विहार, निजामुद्दीन, गाजियाबाद, कानपुर, वाराणसी समेत तमाम स्टेशनों पर कड़ाके की ठंड में लोगों को ट्रेनों का घंटों इंतजार करते देखा गया।

बड़ोखर हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने मे जुटी पुलिस

डीआईजी ने कहा घर के करीबियों पर घूम रही शक की सुई, कमरे में मिले खून के छीटें, लाशों पर धारदार हथियार से मारने के निशान

सेप्टिक टैंक में मिले चार शवों की हुई पहचान, डीआईजी पहुचे सिंगरौली

रीवा से एफएलएल टीम, साइबर एक्सपर्ट जुटी, पुलिस को मिले कुछ अहम सुराग

घटना स्थल से मिली आपत्तिजनक सामग्री, डीआईजी ने ईनाम किया घोषित

मृतक सुरेश प्रजापति है विंध्यनगर थाने का निगरानी बदमाश, ट्रामा सेंटर पहुचे सांसद व विधायक

सिंगरौली। सेप्टिक टैंक से चार शव मिलने के मामले में पुलिस ने कई संदिग्धों सहित परिवार से जुड़े दंपति से थाने में पूछताछ कर रही है। पुलिस को सुरेश के कमरे से खून के धब्बे भी मिले हैं। कुछ आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है।वहीं पुलिस मृतक सुरेश प्रजापति के करीबी रिश्तेदार से राउंडअप कर अकेले में पूछताछ में लगी है। घटना के बाद देर रात रीवा डीआईजी साकेत पांडे ने घटनास्थल का जायजा लिया। और अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश भी दिए।

गौरतलब हैं शनिवार को बरगवां थाना इलाके के बड़ोखर गांव में एक मकान के पीछे बने सेप्टिक टैंक से एक के ऊपर एक चार लोगों के शव मिले थे। इनमें से एक सुरेश, मकान मालिक हरिप्रसाद प्रजापति का बेटा था। बाकी तीन लोगों की पहचान करण साहू, राकेश सिंह और जोगेंदर महतो के रूप में हुई है। चारों युवक एक दूसरे के दोस्त हैं। देर रात रीवा डीआईजी साकेत पांडे ने घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने कहा सुरेश के कमरे से आपत्तिजनक सामग्री मिलना अनैतिक संबंध से जुड़े होने की तरफ इशारा करता है। पुलिस सूत्रों की माने तो मृतकों के भाई और भाभी को संदेही मानते हुए पुलिस पूछताछ कर रही है। जल्द ही इस पूरे मामले का खुलासा हो सकता है।

डीआईजी साकेत पांडे ने कहा घटना में मृतकों के करीबी शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा मृतक सुरेश प्रजाति विन्ध्यनगर थाने का निगरानी बदमाश था, उस पर चोरी, अवैध हथियार रखने और लूट के आधा दर्जन मामले दर्ज है। मृत्यको के पास से वियाग्रा गोली के साथ कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई हैं। 6 से 7 लोगों से घटना के बारे में पूछताछ चल रहा रही है। आशंका है कि नशीला पदार्थ देकर युवकों की हत्या की गई हो। पुलिस उनके मोबाइल फोन की कॉल डिटेल और घटना के समय मौजूद मोबाइल नंबरों को ट्रेस कर रही है। प्रथम दृष्टया यह हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। हर एंगल पर जांच की जा रही है। साथ ही एएसपी के निगरानी मे एसआईटी टीम गठित की गई है। डीआईजी साकेत पाण्डेय ने बताया कि पुलिस आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ कर रही है। इस मामले में पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया है।

रीवा से फोरेंसिक साइंस एक्सपर्ट डॉ. महेंद्र सिंह भी देर रात सिंगरौली पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल और शवों का बारीकी से परीक्षण किया। सिंह ने कहा सभी लाशों पर चोट के निशान हैं। नुकीली चीज से सिर और चेहरे पर वार किए गए हैं। शवों पर संघर्ष के निशान ज्यादा नहीं हैं। इससे यह स्पष्ट हो रहा है कि युवक या तो नशे की हालत में सो रहे थे या बेहोशी की हालत में थे। ऐसी स्थिति में 1 से 2 लोग ही इस हत्याकांड को अंजाम देने के लिए काफी हैं।

टीआई शिवपूजन मिश्रा ने बताया कि हिंडालको प्लांट के गेट नंबर 3 के पास बड़ोखर गांव में हरिप्रसाद प्रजापति का मकान है। वह एनसीएल के जयंत में रहते हैं। कभी-कभार ही बड़ोखर आते हैं। जहां पड़ोस में रहने वाली एक महिला ने प्रजापति परिवार के मकान का दरवाजा खुला देखा। उसे चोरी का अंदेशा हुआ। इसके बाद वह घर के अंदर गई। वहां कोई नहीं मिला। जब वो पीछे की तरफ गई तो उसे बदबू आई। उसने वहां बने सेप्टिक टैंक में झांका तो शव दिखे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने टैंक के पास जेसीबी से बराबर से गड्?ढा खोदकर शवों को बाहर निकाला। मौके पर झारखंड की एक कार जेएच 24-के- 3393 भी मिली है। बरगवा के बड़ोखर में हुई चार लोगों की हत्या की खबर जब सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा को लगी तो आज रविवार को पोस्टमार्टम घर ट्रामा सेंटर सांसद और सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह, क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मेश्राम पहुंचे। जहां परिजनों से मुलाकात की और ढ़ाढस बधाते हुए कहां की किसी भी आरोपी को बक्सा नहीं जाएगा और निष्पक्ष जांच होगी। पुलिस ईमानदारी से अपना काम कर रही है।

बिलखते रहे परिजन

एक साथ चार लोगों की निर्मम हत्या से सिंगरौली दहल गया है पूरे मामले की निगरानी डीआईजी साकेत पांडे रख रहे हैं। इस घटना की खबर जब परिजनों को लगी मौके पर पहुंचे। वही आज जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर में परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। जहां मृतकों की पत्नियां बेसुध होकर बिलखती रही। बताया जाता है कि चारों मृतक शादीशुदा थे। और करण साहू व जोगेंद्र उर्फ पप्पू महतो साले जीजा थे।

केंद्र एवं प्रदेश सरकार का उद्देश्य अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को सबल बनाना है : सांसद

ग्राम पंचायत चकरिया में आयोजित जन कल्याण शिविर का संसद ने किया अवलोकन

सिंगरौली

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान का 11 दिसम्बर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक चरणबद्ध आयोजन किया जा रह है। शिवर में शासन द्वारा चिन्हांकित 63 सेवाओं एवं 45 हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभ से शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान किये जाने हेतु जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में सर्वेक्षण कार्य हेतु गठित दल द्वारा घर-घर भ्रमण किया जाकर हितग्राहियों का चिन्हाकन एवं फार्म भराने की कार्यवाही उपरान्त संबंधित पोर्टल में एंट्री तथा निराकरण शिविर दिनांकों को किया जा रहा है ।इसी कड़ी में विगत दिवस ग्राम पंचायत चकरिया में आयोजित मुख्यमंत्री जनकल्यांण शिविर में सांसद डा. राजेश मिश्रा ने शिविर का अवलोकन कर शिविर में प्राप्त आवेदनों का अपने समक्ष त्वरित निराकरण कराया गया है।

शिवर में महिला बाल विकास विभाग के 4 राजस्व विभाग के 66, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 48, सामाजिक न्याय एवं नि:शक्त जनकल्याण के 29 एवं श्रमि विभाग के 6 आवेदन प्राप्त हुए, ग्राम पंचायत में आज कुल 153 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 143 हितग्राहियों के आवेदनों का त्वरित निकराकरण कराया जा चुका है शेष 10 आवेदन राजस्व के लम्बित है, जिसका यथा शीघ्र निराकरण करा दिया जावेगा ।

मायाराम महाविद्यालय में आयोजित हुआ कंबल वितरण कार्यक्रम

सिंगरौली। जिले में पड़ रहे कड़ाके की ठंड से जरूरतमंद क्षेत्रवासियों को बचाव हेतु बीते 4 जनवरी को महाविद्यालय के संस्थापक संरक्षक सिंगरौली के पूर्व विधायक रामलल्लू बैस के मुख्य आतिथ्य में मायाराम महाविद्यालय में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में सभी को नववर्ष की शुभकामनाए प्रेषित करते हुए कहा कि समाज के असहाय एवं जरूरतमंदों की हमें हर समय मदद करना चाहिए। मेढौली शुक्ला मोड़ के आसपास के क्षेत्रों से लगभग 60 जरूरतमंदों को कंबल का वितरण किया गया। इसके पूर्व महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष बद्री नारायण बैस एवं सचिव रामायन प्रसाद बैस के द्वारा झिंगुरदा, हनुमान मंदिर क्षेत्र के लगभग 100 जरूरतमंदों को भी कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्रबंध समिति के समस्त पदाधिकारीगण, जिला बालीवाल संघ के पदाधिकारीगण एवं महाविद्यालय के प्राचार्य तथा समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

क्षय मुक्त बनेगा सिंगरौली मरीजों को मिले पूरा पोषण: कलेक्टर

सिंगरौली। निक्षय 100 दिवसीय कार्यक्रम की सक्रियता को बढ़ाएं ताकि सिंगरौली जिला क्षय मुक्त बना सके इस आशय का निर्देश जिला कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान दिया। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी एनके जैन के द्वारा जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था से कलेक्टर को अवगत कराया। जिला कलेक्टर ने टीबी मरीजों को दी जाने वाली नियमित चिकित्सा सुविधा एवं उपचार की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की निक्षय 100 दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत सभी संवेदनशील जानों जैसे पूर्व टीबी मरीज़, डायबीटिक मरीज़, वृद्धजन , अत्याधिक नशापान करने वालों को चिन्हित कर उनके स्क्रीनिंग आवश्यक रूप से करवाएं।

एनटीपीसी विंध्याचल मे जेम की बालिकाओं हेतु आयोजित शीतकालीन सत्र का हुआ समापन

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल के नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत बालिका सशक्तिकरण अभियान 2024-25 की बालिकाओं के लिए शीतकालीन सत्र कार्यशाला का समापन बीते 4 जनवरी को क्षेत्रीय ज्ञानार्जन संस्थान के सभागार में किया गया। यह 7 दिवसीय कार्यशाला 30 दिसम्बर से 4 जनवरी तक मई-जून-2024 में जेम कार्यक्रम के तहत एक महीने की ग्रीष्मकालीन कार्यशाला में भाग लेने वाली बालिकाओं के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें कुल 111 बालिकाओं ने बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन कर एनटीपीसी गीत के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर 7 दिवसीय कार्यशाला में जेम की बच्चियों द्वारा सीखे गए अनुभवों को मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अन्य अतिथियों के समक्ष साझा किया गया। कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार एवं उपस्थित अन्य अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि विंध्याचल नैगम सामाजिक दायित्व के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के विकास एवं कल्याण के लिए समय-समय पर कई कार्यक्रम कराता है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति अधिक-से-अधिक कार्य कर लोगों को शिक्षित करना एवं उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना विंध्याचल का प्रथम दायित्व है और इसी के तहत अधिकतर कार्य शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में करने का प्रयास किया जा रहा है। एक सप्ताह के इस अभियान के दौरान ग्रामीण बच्चियों में काफी परिवर्तन आया है जो हमारे लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर मुख्य रूप कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (चिकित्सा) डॉ. बीसी चतुर्वेदी, महाप्रबंधक (आर एल आई) त्रिलोक सिंह, महाप्रबंधक(हरित रसायन एवं बीई) सुजय कर्माकर, महाप्रबंधक (प्रचालन) राजशेखर पाला, महाप्रबंधक (मेंटीनेंस एवं एडीएम) एजे राजकुमार, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल) राकेश अरोड़ा, उपाध्यक्षा (सुहासिनी संघ) श्रीमती सारिका चतुर्वेदी, वरिष्ठ सदस्या (सुहासिनी संघ) श्रीमती पाला, उप महाप्रबन्धक (मानव संसाधन) श्रीमती कामना शर्मा,महासचिव (सुहासिनी संघ) श्रीमती शिल्पा कोहली, उप प्रबन्धक (योजना एवं प्रणाली) फर्जन्द हुसेन, कार्यपालक (सीएसआर) निखिल जायसवाल एवं मानव संसाधन टीम के साथ-साथ एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ-साथ जेम के शीतकालीन सत्र की शिक्षिकाएं, कमेटी के सदस्यगण एवं भारी संख्या मे जेम की बच्चियाँ उपस्थित रहीं।

राज्यमंत्री ने जिला सहकारी बैंक चितरंगी एवं समितियों का लिया समीक्षा बैठक

सिंगरौली। सहकारी समितियां, आपसी सहायता और कल्याण के सिद्धांत पर काम करती हैं.इनमें सदस्य अपने-अपने संसाधनों को एकत्र करके उनका अधिकतम उपयोग करते हैं और फिर उससे मिलने वाले लाभ को आपस में बांट लेते हैं.सहकारी समितियों में सदस्यता के लिए कोई जाति,लिंग,वर्ण,या धर्म का प्रतिबंध नहीं होता। सहकारी समितियों में सदस्यता स्वैच्छिक होती है, यानी कोई भी व्यक्ति किसी भी समय सहकारी समिति का सदस्य बन सकता है और जब चाहे उसका सदस्य बना रह सकता है या सदस्यता छोड़ सकता है।सहकारी समितियों में सदस्यों के योगदान का दायित्व सीमित होता है।सहकारी समितियों में निर्वाचित प्रबंध समिति के पास निर्णय लेने का अधिकार होता है।सहकारी समितियों में उत्पन्न लाभ या तो उद्यम में फिर से निवेश किया जाता है या सदस्यों को वापस कर दिया जाता है.सहकारी समितियां,बच्चों की देखभाल,परिवहन,खेती,सौर ऊर्जा,वित्तीय सेवाओं,स्कूल की आपूर्ति खरीदने जैसी कई गतिविधियां और सेवाएं देती हैं।

जिसको मद्देनज़र रखते हुए राज्य मंत्री ने जिला सहकारी बैंक से संबद्ध समिति के सदस्यों के साथ उपखंड अधिकारी चितरंगी की अध्यक्षता में राज्यमंत्री राधा सिंह ने उपखंड कार्यालय में सहकारी बैंक चितरंगी की समीक्षा बैठक में भाग लिया। बैठक में उपखंड अधिकारी चितरंगी सुरेश जादव तहसीलदार चितरंगी ऋषि नारायण सिंह कनिष्ठ खाद्यपूर्ति अधिकारी सम्मी पटले,नोडल अधिकारी गुजारी लाल तिवारी,शाखा प्रबंधक चितरंगी राजीव लोचन सिंह विजय सिंह,समिति सेवक संजय सिंह,सीताराम बैस,घोघरा राजेश बैस,बसंत सिंह,राधेश्याम पटेल राजेश्वरी प्रसाद,अनिल सिंह बैस, बलिराम पांडेय सहित कई समिति के समिति सेवक, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अरुण परस्ते,विकास खंड अंतर्गत संचालित सहकारी समितियों में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।धान खरीदी उपार्जन केंद्र के स्थिति को जाना।शासन ने जो किसानों की योजनाओं को संचालित किया है।

एनटीपीसी विंध्याचल प्रबंधन द्वारा टाउनशिप के विद्यालयीन बच्चों के लिए बस सेवाओं का किया गया शुभारंभ

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल प्रबंधन द्वारा टाउनशिप के विद्यालयीन बच्चों के लिए 4 जनवरी को 52 सीटर बस बस सेवाओं का शुभारंभ किया गया ।यह बस सेवा मे मुख्य रूप से टाउनशिप के विद्यालयीन बच्चों के लिए लाने ले जाने के लिए प्रारम्भ किया गया है। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ई. सत्य फणि कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (चिकित्सा) डॉ. बीसी चतुर्वेदी, महाप्रबंधक (हरित रसायन एवं बीई) सुजय कर्माकर, महाप्रबंधक (प्रचालन) राजशेखर पाला, महाप्रबंधक (मेंटीनेंस एवं एडीएम) एजे राजकुमार, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल) राकेश अरोड़ा, अपर महाप्रबंधक गण, विभागाध्यक्षगण, उप महा प्रबंधक (मानव संसाधन) कुन्दन किशोर, उप महाप्रबन्धक (मानव संसाधन) श्रीमती कामना शर्मा, सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सिलाई व छल्ली के नाम पर चल रही है अवैध वसूली

धान उपार्जन केन्द्र गन्नई गजरहिया का मामला

सिंगरौली। जिले के सरई तहसील अंतर्गत प्राथमिक विपणन सहकारी समिति सर ई गन्नई गजरहिया में किसानों से अवैध वसूली की जा रही है। शासन के निर्देशानुसार 2 दिसंबर से धान उपार्जन केंद्रों में धान की खरीदी प्रारंभ है। सेवा सहकारी समिति सरई के खरीदी केंद्र क्रमांक 2 गन्नई गजरहिया में किसानों से सिलाई व छल्ली के नाम पर जमकर अवैध वसूली चल रहा है। जबकि सिलाई व छल्ली का पैसा शासन द्वारा उपार्जन केन्द्र संचालक को दी जाती है। किसान तरह-तरह से परेशान हो रहे हैं। गजरहिया गन्नई धान खरीदी केंद्र में व्यापारियों का बोलबाला है यहां व्यापारियों को पैसा लेकर बोरी - वरदाना घर ले जाने के लिए दिया जा रहा है। एवं किसानों को खरीदी केंद्र पर भी वरदाना समय से सुलभ नहीं हो पा रहा है। गन्नई क्षेत्र के कई किसानों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जो किसान खरीदी केंद्र के संचालक को पैसा नहीं देता है उसकी धान की गुणवत्ता में कमी निकाल दी जाती है। जिससे किसान परेशान- हैरान होकर खरीदी के नाम पर लुट रहे हैं। किसानों ने इस ओर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया है।

विस्थापन को लेकर एनसीएल की एक और यूनिक स्कीम

सेल्फ रिसेटेलमेंट-विस्थापित स्वयं से बसें

सिंगरौली। जयंत एवं दूधिचुआ खदान के विस्तार के लिए धारा 9 लगे करीब एक वर्ष होने वाले हैं। इस बीच विस्थापन मंच के पदाधिकारी ने बताया कि इसे लेकर बीते दिनों एनसीएल द्वारा जारी की गई 34 पन्नों की बुकलेट का मुख्य शीर्षक रिहैबिलिटेशन एंड रिसेटेलमेंट स्कीम रखा गया था जिसमे विस्थापन समेत तमाम जानकारियाँ थीं। पर बुकलेट के पृष्ठ क्रमांक 4 पर पढ़ने से पता चलता है कि इस स्कीम का नाम और मकसद विस्थापितों का सेल्फ रिसेटेलमेंट है जो मोरवा से होने वाले विस्थापितों को आगाह करते हुए उल्लेख करता है कि इस 50 हजार आबादी वाले शहर जिसमें करीब इतने ही लोग बेघर होंगे उन्हें डिसोल्यूशन (उजाड़ने का काम) और जिम्मेदारी तो एनसीएल ने अपने कंधों पर उठा रखी है पर विस्थापन के बाद विस्थापितों को स्वयं से बसने की सलाह दी गई। हालांकि यह केवल सलाह नहीं क्योंकि प्रबंधन द्वारा अभी तक की प्रक्रिया को देखकर तो ऐसा ही प्रतीत होता है।

कानून के जानकार इस स्कीम सेल्फ रिसेटेलमेंट को भूमि अधिग्रहण कानून 2013 में खोजने का प्रयास कर रहे हैं, जिसके तहत विस्थापन एवं पुनर्वास होना है। लेकिन यह शब्द न मिलने से यह लोग भी पशो पेश में हैं। जानकारों का कहना है कि कानून में कोई ऐसा अमेंडमेंट(बदलाव) हुआ ही नहीं। फिर आखिर एनसीएल ने अपने से ही इस बारे में क्यों उल्लेख कर दिया। विस्थापन मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि स्कीम में उल्लेख है कि एनसीएल जयंत के एमजीआर और रेल माध्यम से कोयला आपूर्ति तीन चार वर्षों में बंद हो जाएगी और राजकीय कोष में करीब 2430 करोड़ का योगदान प्रभावित हो जाएगा। अगर मोरवा का विस्थापन सफलतापूर्वक हो जाता है तो जयंत खदान से वर्तमान उत्पादन 30 एमटीपीए से बढ़कर 38 एमटीपीए हो जाएगा और जयंत खदान करीब 3000 करोड रुपए प्रति वर्ष सरकारी खजाने में दे पाएगी। इस सफलता को पाते हुए एनसीएल मैनेजमेंट की टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मोरवा का विस्थापन हर हाल में करना अति आवश्यक है। एनसीएल हर तबके और हर वर्ग के लिए कुछ ना कुछ देने की चर्चा इस स्कीम में कर रहा है। उनके अनुसार किसी को भी धन की कमी नहीं होने देगा पर मोरवा विस्थापन के दूरगामी परिणाम बेरोजगारी और पलायन से अपने को इतर रखते हुए पुनर्वास से भी पैसा देकर अपना पल्ला जड़ना चाहता है। मोरवा के सर्वेक्षण को लेकर भी एनसीएल मैनेजमेंट के अपने पास उपलब्ध टीम पर भरोसा न होने की वजह से ही सर्वेक्षण एवं नापी का कार्य प्राइवेट कंपनी की टीम से कराया जा रहा है। वह भी सही कार्य का आदेश प्राप्त न होने और समय पर भुगतान न होने के कारण कार्य में नियमित नहीं रह पा रही है। यही कारण है कि 1 जुलाई से 30 दिसंबर तक खत्म हो जाने वाले इस सर्वेक्षण के कार्य को जनवरी के शुरू में भी आधे पर नहीं पहुंचा जा सका है।

पूजा पार्क की रामकथा का तीसरा दिन

रामलीला एवं कृष्ण लीला का संगम विलक्षण है : बाला व्यंकटेश

सीधी

श्रीकृष्ण रसामृत समिति पूजा पार्क सीधी के सौजन्य से आयोजित श्रीराम कथा के तीसरे दिवस रामचरितमानस के विद्वान कथा प्रवक्ता पं बालाव्यंकटेश महराज वृन्दावनोपासक ने अपनी अमृतमयी वाणी से श्रृद्धालु भक्तों को राम नाम सत्संग की महिमा से लाभान्वित करा दिया। आपने कथा प्रसंग को आयाम देते हुए बताया कि आचरण व्यवहार क्रिया कलाप और वाणी में जिसके सत का समावेश हो वही संत हैं।प्रसंग वश व्यास महराज ने बताया कि मनुस्मृति सहित कुल 52 स्मृतियॉ हैं। अतएव इस समय मनुवादी व्यवस्था नही चल रही है। एक बात और स्मरणीय है कि मनुस्मृति की रचना ब्राम्हण ने नही बल्कि क्षत्रिय ने की है। आगे व्यास जी ने कहा कि बाह्य व्यवस्था संसारियों को रिझाने के लिए बनी है और अभ्यान्तर की व्यवस्था परमात्मा हेतु। यही कारण है संसारी लोग वाह्य श्रृंगार करके सुखानुभूति करते हैं तो साधु-संत अंदर का श्रृंगार करके ईश्वर प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। रामचरित मानस कथा के पूर्व मंचीय औपचारिकता के क्रम में आचार्यों द्वारा व्यास पीठ की पूजा शास्त्र सम्मत ढंग से हुई।व्यास बाला व्यंकटेश महराज जी का इंजीनियर आर.के. सिंह, समिति की अध्यक्ष श्रीमती कुमुदिनी सिंह, संरक्षक सुरेन्द्र सिंह बोरा, सचिव डॉ श्रीनिवास शुक्ल सरस बघेली कवि, प्रहलाद प्रसाद गुप्त, डॉ गिरीश त्रिपाठी तथा अंजनी सिंह सौरभ आदि ने माल्यार्पण करके भारतीय परम्परा तथा भारतीय संस्कृति को सम्पुष्ट किया। राम कथा की ज्ञान गंगा में भक्तों को डुबोते हुए व्यास जी ने कहा कि भगवान शंकर जैसे अद्भुत ज्ञानी जब शती जैसी कथा श्रोता के संशय को दूर नही कर पाये तब आज के प्रवक्ता यह कहें कि हमने श्रोताओं की सम्पूर्ण भ्रान्ति कर दी तो यह एक अतिसंयोक्ति ही कहलायेगा। इस कथन में व्यास जी का एक दर्शन और मानवीय संचेतना का प्रतीकात्मक भाव भरा हुआ था। उन्होनें स्पष्ट किया कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने मानव कल्याण और समाज सुधार की बात पग-पग में किया है। राम की अद्भुत बाल लीला में भक्तों को प्रवेश कराते हुए कथा प्रबक्ता जी ने समुपस्थित श्रोताओं को बताया कि राम का प्रगटोत्सव एक अद्भुत रहस्योद्घाटन का संकेत देता है। तभी तो जगत का कल्याण करने केलिए और मर्यादा पुरुषोत्तम की संज्ञा पाने के लिए श्रीराम जी को नवमी तिथि को ही आना पड़ा है। मंच पर राम के सुन्दर बाल स्वरूप का दर्शन व्यास जी ने कराते हुए प्रसंगानुसार रोचक भजन कीर्तन सुनाकर भक्तों को भाव विभोर कर दिया। इस भीषण ठंड में सीधी के श्रद्धालु भक्तों की उपस्थिति से पूरा पंडाल आरती तक भरा रहा जो रामकथा के प्रति अनुराग का द्योतक है।

विकासखण्डवार रोजगार मेले का आयोजन 07 जनवरी से

सीधी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अति.मिशन संचालक अशुमन राज ने जानकारी देकर बताया है कि जिले के बेरोजगार युवकों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यालय सीधी द्वारा एजिल सिक्योरिटी फोर्स ट्रेनिंग एकेडमी द्वारा रोजगार मेले का आयोजन विकासखण्डवार किया जा रहा है। सुरक्षा जवान हेतु निर्धारित योग्यता 8वीं पास या फेल, लंबाई 175 सेमी, उम्र 20 से 35 वर्ष होना अनिवार्य है।

उन्होने बताया कि दिनांक 07.01.2025 को जनपद पंचायत मझौली अंतर्गत जनपद परिसर मझौली में, 08.01.2025 को रामपुर नैकिन अंतर्गत जनपद परिसर रामपुर नैकिन में, 09.01.2025 को सिहावल अंतर्गत जनपद परिसर सिहावल में, 10.01.2025 को कुसमी अंतर्गत जनपद परिसर कुसमी में एवं 11.01.2025 को सीधी अंतर्गत जनपद परिसर सीधी में प्रात: 11 बजे से सायं 5 बजे तक रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। अधिक जानकारी के लिए भर्ती अधिकारी कुलदीप सोनकिया मो. 7509781949 पर संपर्क कर सकते हैं।

संयुक्त संचालक लोक शिक्षण रीवा ने प्राचार्यों से किया परीक्षा पर चर्चा

मेरिट में ज्यादा छात्र आये इसलिए संचलित हो विशेष कक्षाएं

सीधी

सयुंक्त संचालक लोक शिक्षण रीवा श्री के पी तिवारी की अध्यक्षता में बोर्ड परीक्षा परिणाम में सुधार लाने के लिए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्र 2 सीधी के सभागार में प्राचार्यों की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में गत वर्ष के कम परीक्षा परिणाम वाले स्कूलों खासकर 0 से 30 प्रतिशत वाले स्कूलों के परिणाम कैसे बढ़ेंगे, उनका एक्शन प्लान क्या है आदि बिंदुओं पर प्राचार्यों से बात हुई। जेडी रीवा ने कहा कि कमजोर विद्यार्थियों के लिए रेमेडियल कक्षाएं नियमित रूप से चलें। 10वीं एवं 12वीं के ऐसे विद्यार्थियों

को बोर्ड परीक्षा की तैयारी करवाई जाए जो अर्धवार्षिक परीक्षा में डी एवं ई ग्रेड लाए हैं। रेमेडियल कक्षाओं के दौरान मॉड्यूल से विद्यार्थियों से ही पढ़ाई करवाई जाए। दसवीं की तैयारी के लिए अभ्यास पुस्तिका, वन लाइनर एवं तीन वर्ष के पेपर का उपयोग किया जाय। पढ़ाई में कमजोर छात्रों के पालकों से बात करें।

बैठक में जेडी कार्यालय रीवा के आई टी सेल के प्रमुख जनार्दन मिश्र, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य शम्भू नाथ त्रिपाठी, रामाधार पांडेवा, एडीपीसी प्रवीण शुक्ल, रामकृष्ण तिवारी, एपीसी रमसा डॉ सुजीत कुमार मिश्र, समस्त विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

महिला सशक्त वाहिनी कक्षा का संचालन 7 जनवरी से

सीधी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने जानकारी देकर बताया है कि सीधी जिले में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत पुलिस भर्ती में चयन हेतु महिला सशक्त वाहिनी कक्षा का संचालन कर लिखित एवं पुलिस विभाग की आधारभूत संरचना का उपयोग करते हुये कमांडेट होमगार्ड द्वारा शारीरिक प्रवीणता की तैयारी हेतु युवतियों एवं बालिकाओं को नि: शुल्क प्रशिक्षण दिये जाने हेतु सीधी जिले की कुल 56 बालिकायें द्वारा दिनांक 23.09.2024 से 07.10.2024 तक (कार्यालयीन कार्य दिवसों में) कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास जिला सीधी में आवेदन प्रारूप जमा किया गया है। उक्त महिला सशक्त वाहिनी कक्षा का संचालन दिनांक 07.01.2025 से शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 01 में सुबह 08 बजे से 10 बजे तक किया जायेगा। पंजीकृत बालिकाओं को सूचित किया गया है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रशिक्षण प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री सोमवार को आएंगी सीधी

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के 300 वें जयंती के कार्यक्रम में होंगी सम्मिलित

सीधी। सत्कार अधिकारी जिला सीधी ने जानकारी देकर बताया कि प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी का दिनांक 06.01.2025 को सायं 4 बजे सर्किट हाउस सीधी आगमन होगा। राज्य मंत्री सायं 4.30 बजे से स्थानीय सम्राट चौक में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के 300 वें जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्णय के परिपेक्ष्य में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के 300 वें जन्मवर्ष के अवसर पर सम्पूर्ण प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। संस्कृति विभाग के लिए जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद द्वारा ''राष्ट्र समर्थ रू देवी अहिल्या की पुण्यगाथा'' नाट्य प्रस्तुति की जावेगी।

डॉ प्रेमलाल मिश्र जिला शिक्षा अधिकारी सिंगापुर रवाना

21वीं सेन्चुरी टीचिंग एण्ड लर्निंग स्किल्स इन क्लास रूम विषय पर प्राप्त करेंगे प्रशिक्षण

दिनांक 06.01.2025 से 12.01.2025 तक आयोजित होगा प्रशिक्षण

सीधी

जिला शिक्षा अधिकारी सीधी डॉ प्रेमलाल मिश्र सिंगापुर में 21वीं सेन्चुरी टीचिंग एण्ड लर्निंग स्किल्स इन क्लास रूम विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण दिनांक 06.01.2025 से 12.01.2025 तक आयोजित होगा। 21वीं सदी के लिए शिक्षक शिक्षा का एक मॉडल है सिंगापुर

की शिक्षण रणनीतियों में मजबूत स्कूल नेतृत्व विकसित करना, व्यावसायिक विकास के लिए प्रतिबद्धता, तकनीक से लैस स्कूलों के लिए नए मॉडल बनाने जैसी बातों का ध्यान रखा जाता है। प्रशिक्षण में 21वीं सदी के कौशल में सहयोग, डिजिटल साक्षरता, महत्वपूर्ण सोच और समस्या समाधान जैसी दक्षताएं शामिल हैं। जन सामान्य का मानना है कि शिक्षकों को इन कौशलों को सिखाना चाहिए ताकि वे आज की दुनिया में छात्रों की मदद कर सकें।

स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों ने जिला शिक्षा अधिकारी डॉ पी.एल. मिश्रा को प्रशिक्षण में चुने जाने के लिये जिले की उपलब्धि मानते हुये उनके यात्रा की शुभकामनाएं प्रेषित की है।

हरिश्चंद्र मिश्रा बने विहिप के ब्लॉक अध्यक्ष

सीधी। विश्व हिंदू परिषद महाकौशल प्रांत सीधी के ब्लॉक रामपुर नैकिन में 5 जनवरी को बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री अनिल मिश्रा ने की। इस दौरान रामपुर नैकिन के कई सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से हरिश्चन्द्र मिश्रा को ब्लॉक अध्यक्ष बनाया गया। तदोपरांत समिति का गठन किया गया। गठित की गई समिति में नागेन्द्र साहू को उपाध्यक्ष, दीपक विश्वकर्मा प्रखंड संयोजक बजरंग दल, पंकज मिश्रा प्रखंड मंत्री, रविशंकर मिश्रा सामाजिक समरसता, रामनिवास त्रिपाठी सह मंत्री, विनोद कुमार मिश्रा विशेष संपर्क प्रमुख, धमेन्द्र त्रिपाठी सत्संग प्रमुख, विनोद त्रिपाठी गौरक्षा प्रमुख, नीरज मिश्रा प्रखंड प्रचार-प्रसार प्रमुख, अनुज हलवाई को विद्यार्थी प्रमुख का दायित्व सौंपा गया। बैठक में विश्व हिंदू परिषद कौशल प्रांत जिला सीधी के मंत्री अनिल मिश्र द्वारा सभी पदाधिकारियों को अपने-अपने दायित्व का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करने की बात कही गई। वहीं हर गांव से हर वर्ग से सदस्य एवं पदाधिकारी बनाने को प्राथमिकता देने के साथ ही सभी पदाधिकारियों को अपने दायित्वों में जुटने के लिए प्रेरित किया गया।

एकलव्य स्कूल हड़बड़ो की छात्रा मीनाक्षी का लोकनृत्य में चयन

मीनाक्षी का चयन राज्य स्तर में हुआ है जहां इनका ग्रुप 6 जनवरी को अपना प्रदर्शन देंगे ।अपनी प्रतिभाओ से एकलव्य पब्लिक हायर सेकेंड्री स्कूल हड़बड़ो के छात्रों ने स्कूल के साथ-साथ पूरे जिले का नाम रोशन किया है।

छात्रों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के संचालक ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, नीतू सिंह, संरक्षक शीलध्वज सिंह, प्रबंधक विनोद सिंह, श्यामलाल शर्मा, प्राचार्य स्वेता सिंह, राजेंद्र द्विवेदी, वरिष्ठ शिक्षक मनीता सिंह, प्रीति शुक्ला, मनोज खरे, संजय पाण्डेय, सचिन सिंह, विदित सिंह, ध्रुवदेव सिंह, अरविंद सिंह, संध्या शुक्ला, नमिता सिंह, सुनीता विश्वकर्मा, ज्योतिप्रभा द्विवेदी, करूणा मिश्रा, जयप्रकाश पाण्डेय, सोनू सिंह, शशिमा सिंह, माधव सिंह, अभिषेक तिवारी, शशिकांत दीक्षित,रजनीश पांडे, अर्पिता सिंह, भूपेंद्र पाण्डेय, अनूप लखेरा, अंकिता सेन, संतोष यादव, सन्नी बैगा, आंचल सिंह, विपुल तिवारी, मनीष मौर्या, काजल केवट एवं समस्त विद्यालयीन परिवार एवं अभिभावकों द्वारा छात्र-छात्राओं को शुभकामनायें देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

स्वास्थ्य परामर्श शिविर में 39 लोगो की हुई जांच

सीधी। ज्योत्सना जन कल्याण स्वास्थ्य समिति एवं मिश्रा नर्सिंग होम सीधी द्वारा विगत कई वर्षों से समिति के संरक्षक एवं लोकसभा सांसद डॉ. राजेश मिश्र के मार्गदर्शन में नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रत्येक रविवार को प्रमुख स्थानो छत्रशाल स्टेडियम, पुराना बस स्टैण्ड, नया बस स्टैण्ड, भवानी मन्दिर, फूलमती मन्दिर, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, पुलिस ग्राउण्ड, रघुफिलिंग स्टेशन पडैनिया, मड़रिया वायपास में नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया जा चुका है।

कोहरे के आगोश में रहा जिला, दिनभर नहीं हुए सूर्यदेव के दर्शन

सीधी। शीतलहर ने भी अपनी दस्तक दे दी है। आज दिन की शुरुआत घने कोहरे के साथ हुई। लोगों को उम्मीदें थीं कि दोपहर तक सूर्यदेव के दर्शन होने से ठिठुरन भरी गलन से राहत मिलेगी। लेकिन सूर्यदेव के दर्शन दिन भर नहीं हुए और लोग ठिठुरन भरी गलन से परेशान दिखे। गलन भरी ठंड से बचने के लिए जो घर में मौजूद थे वह या तो गर्म कपड़ों के सहारे ठंड का असर दूर करनें का जतन करते रहे वहीं कुछ लोग अलाव के सहारे ठिठुरन दूर करनें का प्रयास करते रहे। ठिठुरन भरी गलन का कहर शुरू हो जाने से सबसे ज्यादा परेशान ऐसे लोग हो रहे हैं जो घर से कार्य के सिलसिले में सुबह ही निकलते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के हालत तो यह हैं कि सिंचाई के चलते वहां और भी ज्यादा ठंड और गलन बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में रात 10 बजे के बाद ही कोहरे का प्रकोप शुरू हो जाता है। जिसके चलते वाहनों की आवाजाही काफी प्रभावित हो रही है। भारी मालवाहकों के चालकों को काफी धीमी रफ्तार से चलना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में कोहरा एवं ठंड का ज्यादा असर है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों की सिंचाई का कार्य भी चलने के कारण यहां शाम ढ़लते ही भारी गलन शुरू हो जाती है। जिसका असर धूप निकलने तक रहता है। अब तो कोहरा का प्रकोप भी शुरू हो गया है। आज सूर्यदेव के दर्शन दिनभर नहीं होने से लोग शीतलहर से ठिठुरते नजर आए। दरअसल इस वर्ष नव वर्ष के पूर्व तक ठंड का असर शहरी क्षेत्रों में कम था। ग्रामीण क्षेत्रों में शाम ढ़लने के बाद ठंडक ज्यादा बनी हुई थी। वहीं दिन में कड़ाके की धूप खिलने के कारण लोगों को ठंड नहीं मालूम पड़ रहा था।

संगठन में अध्यक्ष रहने वाले पहुंचे सत्ता के सिंहासन तक

सांसद-विधायक सहित कई पदों पर अध्यक्षों को मिला महत्व

सीधी। जिले में भाजपा के अध्यक्ष सहित संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने वालों में सत्ता का सिंहासन भी भाजपा ने दिलाया है। जिस वजह से भाजपा में अध्यक्ष बनने के लिए अभी भी होड़ मची हुई है। जो पहले अध्यक्ष रहे हैं उनका भाजपा ने कद बढ़ाते हुए सांसद विधायक तक बनाने में कोई कसर नहीं छोंड़ा। ऐसे में संगठन यह मान रही है कि पार्टी के लिए जो अच्छा काम करेंगे उन्हें विशेष रूप से महत्व भी मिला है और मिलता रहेगा। अब तक जो स्थितियां दिखी हैं उसमें सत्ता का सिंहासन हांसिल करने वालों में संगठन के बल-बूते बड़ी उपलब्धि नेताओं ने सीधी जिले से भी अर्जित कर चुके हैं।

भाजपा के जिला अध्यक्ष डॉ. राजेश मिश्रा भी रहे हैं। वह अपने कार्यों में अलग पहचान बनाते देखे गए हैं। जिस वजह से उन्हें भाजपा ने सांसद के रूप में टिकट दिया। अब वह सांसद के बनकर जनता की सेवा के लिए काम कर रहे हैं। संगठन में जुडने के कारण उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मानी जा सकती है। कारण यह कि संगठन से उनका शुरू से लगाव था। जिस वजह से अध्यक्ष के बाद सांसद तक बन गए हैं।

भाजपा अध्यक्ष रहे गोविंद मिश्रा भी सांसद का टिकट भाजपा से पाए थे जो कि सांसद भी रहे। उनके द्वारा अब भले ही भाजपा ही नहीं राजनीति से नाता तोडने का सवाल उठा है लेकिन आखिर उन्हें भाजपा ने ही आगे बढ़ाया है। वह अध्यक्ष भाजपा के थे। इसके बाद टिकट भी भाजपा ने ही दिया, सांसद भी रहे। जब दोबारा सांसद का टिकट नहीं मिला तो वह नाराज होकर भाजपा से अलग हो गए।

सीधी विधायक रहे केदारनाथ शुक्ला भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं। संगठन में महत्व मिलने की बदौलत भाजपा ने उन्हें टिकट दिया था। वह विधायक भी चार बार रह चुके हैं। हालांकि वह भी इस बार टिकट न मिलने से नाराज होकर पार्टी छोंड़ दिए हैं लेकिन कहीं न कहीं भाजपा ने उन्हें भी महत्व दिया है। प्रदेश भाजपा संगठन के महामंत्री शरदेन्दु तिवारी को भी भाजपा ने महत्व देते हुए चुरहट विधानसभा से टिकट दिया। वह चुनाव भी जीते थे। दोबारा टिकट मिला लेकिन चुनाव नहीं जीत पाए। लेकिन अभी भी वह संगठन में प्रदेश के महामंत्री हैं। आखिर संगठन के बल-बूते ही भाजपा ने उन्हें महत्व दिया था।

बसंती के घर में हुई लाखों की चोरी, नकदी सहित जेवरात भी हुआ पार

कांग्रेस के पूर्व जिला महिला अध्यक्ष के निवास में पर चोरी, जांच में जुटी पुलिस

सीधी। जिला कांग्रेस कमेटी की महिला कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष श्रीमती बसंती देवी कोल के निवास हाउसिंग बोर्ड सीधी में लाखों की चोरी हुई है। सूने घर में चोरों ने नकदी सहित जेवरात एवं अन्य सामग्रियां भी पार कर दिए हैं। इसकी शिकायत भी जमोड़ी थाना में कराई गई है। जिस पर पुलिस द्वारा कार्यवाही करने के लिए बात कही जा रही है। इस संबंध में फरियादिया पूर्व कांग्रेस महिला जिला अध्यक्ष बसंती देवी कोल पिता विश्राम 55 वर्ष निवासी हाउसिंग बोर्ड प्रियदर्शिनी नगर थाना जमोड़ी ने अपनी बहन रानी रावत के साथ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह बच्चों के साथ 1 तारीख को करीब 5 बजे सीधी से राज बस हिनौती थाना अमिलिया

चले गए थे। जहां कि आज 5 जनवरी को दोपहर 12 बजे दिन में आए तो पूरे घर में चोरी की वारदातें घटित हुई हैं। जिसमें कि देखा कि बाहर के गेट का ताला बंद था लेकिन अंदर घर का ताला टूटा हुआ था। घर के अंदर जाकर देखा तो आलमारी, बक्सा, सूटकेस, दीवान खुला हुआ है। सब तितर-बितर पड़े हुए हैं। वर्तन भी बिखरे पड़े हैं। कमरे के अंदर बक्से में रखा हुआ गहना, चांदी का पायल एवं कर्धन, सोने का झुमका, बाली, मंगलसूत्र, चैन एवं जोधा वाली अंगूठी सहित जेंट्स की अंगूठी एवं महाराष्ट्रियन लैकेट तथा शादी लैकेट रखे थे। इसके साथ ही 20 हजार नकदी सहित 2 नग पुरानी इस्तेमाली रेंजर सायकल भी चोरों ने पार कर दिया है। रिपोर्ट में दर्ज कराया गया कि मेरे घर में कैमरा नहीं लगा है। आसपास सीसीटीव्ही कैमरे लगे हैं। जिसमें दो लोगों की शिनाख्त मिल रही है। इसके पूर्व भी हाउसिंग बोर्ड कालोनी में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था लेकिन उक्त चोरो की सिनाख्त आज दिनांक तक पुलिस द्वारा नही की जा सकी है ऐसे में फिर से चोरी की घटना पुलिस प्रशासन पर सवालिया निशान बन चुकी है।

कांग्रेस की पूर्व महिला जिला अध्यक्ष बसंती देवी कोल ने कहा कि जिस तरह चोरों ने मेरे घर में घुसकर सारी सामग्री पार कर दिया वहीं घर की सामग्री भी तितर-बितर कर दिया गया है। इस संबंध में उन्होने कहा कि हमने पुलिस जमोड़ी में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर दो चेहरे भी सामने आने की जानकारी उनके द्वारा बताई गई है। इस मामले में रोते-बिलखते बसंती ने यह कहा कि हमें यह नहीं मालूम था कि इस तरह की वारदातें मेरे घर में होंगी। आज तो मैं बर्बाद हो गई हूं। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह चौहान को जानकारी मिलने के बाद वह तत्काल मौके पर पहुंचे थे। इन्होने पुलिस से बात कर मामले में जो भी चोरी की वारदातें किए हैं उस पर तत्काल कार्यवाही की मांग किए हैं। उनके द्वारा कहा गया है कि इस तरह की घटना निंदनीय है। पुलिस जल्द चोरों की पतासाजी कर कार्यवाही करे।

संपादकीय

थोड़ी खुशी, थोड़ा गम, सभी स्कूलों में हों सुविधाएं

स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की ओर से संचालित डेटा एग्रीगेशन प्लैटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (डीआईएसई) प्लस की ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है। रिपोर्ट में यह बात स्थापित होती है कि बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर हुई है। करीब 90त्न स्कूलों में बिजली और जेंडर स्पेसिफिक टॉयलेट जैसी सुविधाएं हैं। लेकिन अगर डिजिटल सुविधाओं की बात की जाए तो स्कूलों के बीच गहरी खाई दिखती है। मसलन, फंक्शनल कंप्यूटर महज 57.2 प्रति. स्कूलों में उपलब्ध है और 53.9 प्रति. स्कूलों के पास इंटरनेट ऐक्सेस है। हालांकि, इस मामले में पिछले वर्षों में हुई प्रगति का अंदाजा इस तथ्य से होता है कि 2021-22 की डीआईएसई प्लस रिपोर्ट के मुताबिक 66 प्रतिशत स्कूलों में इंटरनेट कनेक्शन नहीं थे। यह तथ्य भी गौर करने लायक है कि देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन एनरोलमेंट में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला स्टूडेंट्स एनरोलमेंट 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी कैटिगरीज - लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि- में है।जहां तक ड्रॉपआउट यानी स्टूडेंट्स के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्टेज में होने वाली बढ़ोतरी ध्यान देने लायक है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2 प्रति.है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9प्रति. तक पहुंच जाती है। जानकारों के मुताबिक, इसके पीछे ओबीसी और एससी/एसटी कैटिगरी के स्टूडेंट्स को दाखिले के डॉक्युमेंटेशन प्रॉसेस के दौरान होने वाली मुश्किलों और प्री-मैट्रिक व पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है। एक और अहम पहलू है टीचर्स और स्टूडेंट्स के अनुपात यानी पीटीआर का।

इसका माकूल इलाज करने में दुनियावी लोकतांत्रिक सरकारें व उनके मातहत प्रशासन अब तक इसलिए विफल है कि आतंकवाद उन्मूलन को लेकर उसके दोहरे मानदंड हैं। बता दें कि नए साल के जश्न के दौरान न्यू ऑरलियन्स में एक ड्राइवर ने अपना पिकअप ट्रक भीड़ पर चढ़ा दिया और उन पर गोलीबारी भी की। इस प्रकार अमेरिका में नए वर्ष का आरंभ तीन हिंसक हमलों से हुआ। पहला आंतकी हमला न्यू ऑरलियंस में बुधवार तड़के हुआ जिसमें अमेरिका के ही एक भूतपूर्व सैनिक ने जश्न मना रहे लोगों पर तेज रफ्तार पिकअप ट्रक चढ़ा दिया जिसमें मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। वहीं, दूसरी आतंकी वारदात इसके कुछ ही घंटों बाद हुई, जब लास वेगास में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के होटल के बाहर एक टेस्ला साइबर ट्रक में विस्फोट हुआ जिसमें ट्रक में मौजूद व्यक्ति की मौत हो गई और सात घायल हो गए।

अमेरिका की आतंकी घटनाएं लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता दोनों के लिए गम्भीर खतरा

(कमलेश पांडे)

देखा जाए तो आतंकवादी निरोधी उपाय करने में पूरी दुनिया कई हिस्सों में बंट चुकी है और सभी गुट प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से एक-दूसरे के खिलाफ आतंकियों को शह दे रहे हैं, जिससे उनकी नृशंस करतूतें बेरोकटोक जारी हैं।

दुनिया का थानेदार बन चुके अमेरिका में नए वर्ष पर एक के बाद एक हुए तीन आतंकी हमलों से न केवल अमेरिकी नागरिक बल्कि पूरी दुनिया में लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता की चाह रखने वाले लोग भी स्तब्ध हैं! क्योंकि ये घटनाएं लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता दोनों के लिए गम्भीर खतरा बन चुकी हैं। कहना न होगा कि ब्रेक के बाद हुई इन जघन्य आतंकी घटनाओं की पुनरावृत्ति से यह साफ हो चुका है कि आतंकवाद एक लाइलाज मर्ज बन चुका है। इसका माकूल इलाज करने में दुनियावी लोकतांत्रिक सरकारें व उनके मातहत प्रशासन अब तक इसलिए विफल है कि आतंकवाद उन्मूलन को लेकर उसके दोहरे मानदंड हैं।

बता दें कि नए साल के जश्न के दौरान न्यू ऑरलियन्स में एक ड्राइवर ने अपना पिकअप ट्रक भीड़ पर चढ़ा दिया और उन पर गोलीबारी भी की। इस प्रकार अमेरिका में नए वर्ष का आरंभ तीन हिंसक हमलों से हुआ। पहला आंतकी हमला न्यू ऑरलियंस में बुधवार तड़के हुआ जिसमें अमेरिका के ही एक भूतपूर्व सैनिक ने जश्न मना रहे लोगों पर तेज रफ्तार पिकअप ट्रक चढ़ा दिया जिसमें मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है।

वहीं, दूसरी आतंकी वारदात इसके कुछ ही घंटों बाद हुई, जब लास वेगास में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के होटल

के बाहर एक टेस्ला साइबर ट्रक में विस्फोट हुआ जिसमें ट्रक में मौजूद व्यक्ति की मौत हो गई और सात घायल हो गए। जांचकर्ता इस विस्फोट की जांच आतंकी घटना के तौर पर ही कर रहे हैं और उन्हें इस घटना एवं न्यू आरलियंस की घटना के बीच लिंक भी मिला है।

वहीं, तीसरी आतंकी घटना बुधवार को रात 11.20 बजे घटी। जिसमें न्यूयार्क में क्रीन्स के अमाजुरा नाइटक्लब के बाहर तीन से चार लोगों के समूह ने कम से कम 30 राउंड फायरिंग की। इसमें 16 से 20 आयुवर्ग के लड़के-लड़कियां घायल हुए हैं। किसी की भी हालत गंभीर नहीं है। इस नाइटक्लब में हुई लक्षित फायरिंग में 11 लोग घायल हो गए।

उल्लेखनीय है कि न्यू ऑरलियंस में हमले को अंजाम देने वाला 42 वर्षीय शमशुद्दीन जब्बार टेक्सास निवासी अमेरिकी नागरिक है, जो अमेरिका सेना में काम कर चुका है। वह साल 2007 में सेना में शामिल हुआ था। वर्ष 2009 से 2010 तक वह अफगानिस्तान में तैनात रहा था। जबकि वर्ष 2020 में उसने स्टाफ सार्जेंट की रैंक पर रहते हुए सेना छोड़ दी थी। उसके ट्रक के पिछले हिस्से से इस्लामिक स्टेट (आईएस) का झंडा मिला है। शुक्र है कि अमेरिकी पुलिस ने तत्काल ही मुठभेड़ में उसे मार गिराया था। अन्यथा वह और कई लोगों की जान ले लेता।

वहीं, एफबीआई का मानना है कि वह अकेला नहीं था बल्कि उसके साथ और भी लोग शामिल थे, जिनकी खोज में पुलिस जुटी हुई है। हैरत की बात है कि जांचकर्ताओं को जब्बार के वाहन से दो पाइप बमों समेत कई आइईडी भी मिली हैं। वहीं, सर्विलांस फुटेज से पता चला है कि तीन पुरुष एवं एक महिला इनमें से एक उपकरण को लगा रहे थे, लेकिन एफबीआई ने इसकी पुष्टि नहीं की। इस हमले के बाद नववर्ष के पहले दिन होने वाला शुगर बाउल गेम स्थगित कर दिया गया।

उधर, लास वेगास में ट्रंप होटल के बाहर विस्फोट करने वाले टेस्ला के साइबर ट्रक के पिछले हिस्से में फायरवर्क मोर्टार और गैसोलीन के कनस्तर लदे थे। ब्राजील से लास वेगास आई एक प्रत्यक्षदर्शी अना ब्रूस ने बताया कि उसने तीन विस्फोटों की आवाज सुनी थी।

राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां न्यू ऑरलियंस के आतंकी हमले और लास वेगास में ट्रंप इंटरनेशनल होटल के बाहर टेस्ला साइबर ट्रक विस्फोट के बीच किसी भी संभावित कनेक्शन की जांच कर रही हैं। दोनों घटनाओं में इस्तेमाल किए गए वाहन एक कार रेंटल साइट 'टुरो' से किराये पर लिए गए थे, जिससे अधिकारियों को दोनों घटनाओं के बीच संबंधों की तलाश करने के लिए प्रेरित किया गया। हम लास वेगास में ट्रंप होटल के बाहर साइबर ट्रक के विस्फोट को ट्रैक कर रहे हैं।

सोचने वाली बात तो यह है कि जब अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंफ ने बातों ही बातों में दो टूक कह दिया कि उनके देश में आने वाले अपराधी देश में मौजूद अपराधियों से ज्यादा बुरे हैं, तो उनकी बातों को गम्भीरता से लिए बिना उनका मजाक उड़ाया गया। यदि समय रहते ही अमेरिकी प्रशासन संभल गया होता तो इन घटनाओं को टाला जा सकता था। नववर्ष 2025 जैसे मौके पर वहां ताबड़तोड़ हुई अकल्पनीय हिंसक वारदातें यह जाहिर कर चुकी हैं कि ट्रंफ गलत नहीं थे। वहीं, टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क ने कहा कि ऐसा लगता है कि यह आतंकवादी कृत्य है। फिर वह विश्वास पूर्वक कहते हैं कि यह आतंकवादी कृत्य है। देखा जाए तो आतंकवादी निरोधी उपाय करने में पूरी दुनिया कई हिस्सों में बंट चुकी है और सभी गुट प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से एक-दूसरे के खिलाफ आतंकियों को शह दे रहे हैं, जिससे उनकी नृशंस करतूतें बेरोकटोक जारी हैं। चाहे अमेरिका हो या इजरायल, फ्रांस हो या जर्मनी, इंग्लैड हो या भारत, सभी देश किसी न किसी रूप में आतंकवादियों/अतिवादियों से जूझ रहे हैं। फिर भी खुले दिल से एक दूसरे का सहयोग नहीं कर पा रहे हैं और सवाल उठने पर अपनी-अपनी राजनयिक मजबूरियों का हवाला देते हैं। वहीं, दूसरी ओर चाहे चीन हो या रूस, तुर्किये हो या ईरान, पाकिस्तान हो या अफगानिस्तान, बंगलादेश हो या सीरिया, ऑस्ट्रेलिया हो या जापान, दक्षिण अफ्रीकी देश हों या दक्षिण अमेरिकी मुल्क, आतंकवाद निरोधी सबकी प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिकियों की देखा-देखी सबने अपने-अपने आतंकियों की फौज पाल ली है, ताकि वो अपना-अपना कारोबारी और राष्ट्रीय हित साध सकें। इसी का फायदा अरब देशों के शांतिप्रिय समुदाय को मिल रहा है। इस स्थिति ने दुनिया में इस्लामिक शासन और सरिया कानून को लागू करने के उनके मंसूबे को साकार कर दिया है।

जिस तरह से वे लोग तुर्किये, ईरान और पाकिस्तान आदि की अगुवाई में संगठित होकर कदमताल भरते हुए आगे बढ़ रहे हैं, उससे साफ है कि चरित्र विहीन धर्मनिरपेक्षता देर-सबेर उनकी सांप्रदायिक जिद्द के सामने घुटने टेक ही देगी। अफगानिस्तान उनके लिए रोल मॉडल बन चुका है। बंगलादेश उनके लिए नया प्रयोगशाला बन चुका है। इन जैसे विभिन्न मुल्कों में आतंकियों की सरकारों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अमेरिका और भारत जैसे आतंकवाद पीड़ित देशों का भी समर्थन प्राप्त है, चाहे इन देशों की लाचारी जो भी हो।

महाकुम्भ 2025

भव्यता के साथ स्नान, ध्यान और दान की मूल भावना बनी रहे

(विनोद पाठक)

महाकुम्भ मेला क्षेत्र इन दिनों दूधिया रोशनी में नहाया हुआ है। विशाल पंडाल, टेंट सिटी, अखाड़ों और संस्थाओं के साथ कल्पवासियों की तंबू नगरी आकार ले चुकी है। हर ओर भव्यता दिखाने की कोशिशें हो रही हैं।

13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज में महाकुंभ मेले का आयोजन होने जा रहा है। केंद्र की नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार महाकुंभ मेले को दिव्य और भव्य बनाने के प्रयासों में दिन-रात जुटी है। महाकुंभ मेला क्षेत्र इनदिनों दूधिया रोशनी में नहाया हुआ है। विशाल पंडाल, टेंट सिटी, अखाड़ों और संस्थाओं के साथ कल्पवासियों की तंबू नगरी आकार ले चुकी है। हर ओर भव्यता दिखाने की कोशिशें हो रही हैं, लेकिन क्या कुंभ भव्यता का पर्व है? इस विषय पर भिन्न मत हैं, क्योंकि कुंभ की परंपरा स्नान, ध्यान और दान के मेले के रूप में है। यह विश्व कल्याण के लिए वैचारिक मंथन का महापर्व है। ऐसा महापर्व, जिसमें बिना निमंत्रण के करोड़ों लोग पावन गंगा, यमुना और त्रिवेणी संगम में स्नान के लिए आते हैं। प्रश्न यह है कि क्या घोर बाजारवाद के इस दौर में कुंभ मेला अपनी मूल भावना से दूर हो गया है?

12 वर्ष में होता है कुंभ का आयोजन: प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में प्रत्येक 12-12 वर्ष में कुंभ का आयोजन होता है। हरिद्वार और प्रयागराज में प्रत्येक 6-6 वर्ष में अर्द्धकुंभ भी लगता है। हालांकि, कुंभ स्नान पर्व की परंपरा कब प्रारंभ हुई? इसका कोई निश्चित प्रमाण कहीं

उपलब्ध नहीं है। वेदों में अवश्य कई स्थानों पर कुंभ शब्द का प्रयोग हुआ है। जल प्रवाह से उसका संबंध भी है। एक जगह कुंभ शब्द चार की संख्या भी निर्दिष्ट है, लेकिन न तो उसका संबंध अमृत मंथन की कथा से जुड़ पाता है, न ही हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन और नासिक के चारों कुंभ पर्वों से कोई संगति बन पाती है। हां, पुराणों में कुंभ स्नान का सविस्तार उल्लेख है। स्पष्ट है कि कुंभ स्नान पर्व की परंपरा पुराणों की रचना के पूर्व से प्रचलित है। पुराणों का संकलन गुप्तकाल (320-510 ईस्वी) के मध्य माना जाता है। स्कंदपुराण के अनुसार जब बृहस्पति मेष राशि पर स्थित हो, सूर्य एवं चंद्र मकर राशि पर स्थित हों, माघ अमावस्या का दिन हो, तब इस विशिष्ट ग्रहयोग में प्रयाग के त्रिवेणी संगम पर कुंभ स्नान पर्व का ग्रहयोग बनता है। कुंभ में तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं को दो मुख्य लाभ होते हैं, एक, संगम स्नान और दूसरा, संत-समागम। हमारे यहां देवी-देवताओं के दर्शन व पूजन के पूर्व स्नान की परंपरा रही है। ग्रह-नक्षत्रों के योग के अनुसार जलस्रोतों में पवित्र स्नान की परंपरा विशेष रूप से है। स्नान पर्वों में कुंभ स्नान का महत्व सर्वोपरि है। साथ ही, कुंभ दर्शन प्रकारांतर से आत्म दर्शन का पर्याय बन गया है। जैसा, लेखक जगदीश गुप्त ने अपनी पुस्तक ''कुंभ-दर्शन'' में लिखा है, देश-दुनिया के अन्य मेलों की तरह कुंभ मेले में मीना बाजार, घोड़ा बाजार, चिड़िया बाजार और काठ बाजार नहीं लगते और न संगीत-नृत्य के लिए वारांगनाएं सुलभ होती हैं। लीलाओं का प्रदर्शन अवश्य होता है। रामकथा या भागवत कथा का ललित रूप भी सुनने में आता है। कुंभ मेले की प्रकृति दूसरे मेलों से भिन्न है। बाजारवाद के बावजूद कुंभ मेले की मूल भावना अभी तक जाग्रत है। यदि ऐसा न होता तो करोड़ों लोग कठिन परिस्थितियों के बावजूद बिना निमंत्रण एकत्र न होते। हालांकि, कुंभ को महान स्नान पर्व और विराट धार्मिक मेले के रूप में प्रसिद्धि दिलाने का श्रेय आदि शंकराचार्य (780-820 ईस्वी) को दिया जाता है। आदि शंकराचार्य ने ही धार्मिक वाद-विवाद और संवाद के लिए साधु-संन्यासियों को नियत समय पर एकत्र करके सनातन धर्म को सुदृढ़ बनाने का प्रयास किया था। धार्मिक चर्चा-परिचर्चा के लिए कुंभ उपयोगी सिद्ध हुआ है। कुंभ के दौरान साधु-संन्यासी धर्म संसद में विमर्श के बाद समाज को नई दिशा देने का काम करते आए हैं। कुंभ मेला तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं को जहां स्नान-ध्यान और दान का मौका देता है, वहीं साधु-संन्यासियों के विचार रूपी अमृत के पान का अवसर भी मिलता है। हिंदू चेतना के प्रचार और प्रसार में कुंभ का योगदान अतुलनीय है।

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति का प्रदर्शन: वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रयास रहा है कि दुनिया को भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति से परिचित कराया जाए। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर हो या अयोध्या में भगवान राम का मंदिर या उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर या देशभर में विकसित किए जा रहे अन्य धार्मिक स्थल व धाम, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अर्थशास्त्र को साथ लेकर चल रहे हैं। यह सही है कि धार्मिक पर्यटन से देश में लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिल रहा है, लेकिन सनातन धर्म में वैभवता से अधिक त्याग को महत्व दिया गया है। इसके उल्ट महाकुंभ प्रयागराज को भव्य दिखाने के भरसक प्रयास हो रहे हैं। टेंट सिटी से लेकर डोम सिटी तक बनाई जा रही हैं, जिनमें फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाओं मुहैया कराने के दावे हो रहे हैं।

वर्ग पहेली 5604

संकेत: बाएं से दाएं
1. 18 अगस्त 1949 को इस देश ने संविधान अंगीकार किया (3)
4. लोहे को सोना बनाने वा एक कल्पित पत्थर (3)
6. भारत की राजनीतिक पार्टी जिसे 1994 में जॉर्ज फर्नांडिस और नीतिश कुमार ने मिलकर बनाई थी (5)
8. वचन, प्रतिज्ञा, इकरार (2)
10. कदम, डग, नई साड़ी के किनारे पर लगाने वाला कपड़ा (2)
11. जल देने वाला, नीरद, मेघ (3)
13. डकैती, लूट (4)
14. अभियोग, खाधिका (4)
17. सूची, कण (2)
18. मनोयोग से लगा हुआ, मशगूल, व्यस्त (2)
19. खेफिका, निश्चित (2)
21. सिलवट, ऐंठ, मरोड़, शक्ति (2)
23. तनने वाला (5)
25. इस द्वीप समूह में मुंगे के लगभग 1200 छोटे-छोटे द्वीप है जिसकी राजधानी माले है (4)

ऊपर से नीचे
1. बत्तख की तरह का एक जल पक्षी जो प्रायः बड़ी-बड़ी झीलों में रहता है (2)
2. दुख, शोक, रंज, चिंता (2)
3. भारत की पहली महिला जो विश्व सुंदरी बनी (1966)(5)
4. पक्ष, राजनीतिक दल, गुट, समूह (2)
5. प्रश्न-उत्तर, जिरह (6)
7. नाव के मस्तूल से बांधा जाने वाला लंबा-चौड़ा कपड़ा, पालने वाला (2)
9. देय वस्तु, देने योग्य, दातव्य (3)
11. विष, गरल, हलाहल (3)
12. घृणा, घिन्न (4)
15. रिक्त होना, खाली होना (3)
16. हिंसक, फाड़ खाने वाला जंतु (3)
20. बांस की चटाई को यह भी कहते है (3)
22. सटापन, अटैचमेंट, लगे होने का भाव (3)
23. समाकार, समकोटीय, अनेतर, सदृश्य (2)
24. अन्य पुरुष, वो (2)

वर्ग पहेली 5603 का हल

पा	मी	र			ग्र	वा	ना
क	ल	मी		मि		द	म
ता			स	ला	मी		
ला	ला	ला	ज	प	त	स	य
	वा	र	ना			त	म
वा	रि		ध	र	ती		दू
	स	ह	ज		ज	ग	त
		म	ना	व	न		

दिल्ली में कालकाजी सीट

आतिशी - बिधूड़ी - अलका लांबा... ये किस लड़ाई में फंस गई दिल्ली की मुख्यमंत्री

(अशोक उपाध्याय)

दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बीजेपी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने कालकाजी सीट के लिए अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। बीजेपी ने पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी, कांग्रेस ने अलका लांबा और आम आदमी पार्टी ने वर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी को मैदान में उतारा है। इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है। दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आज बीजेपी ने पहली लिस्ट जारी कर दी है। बीजेपी ने कालकाजी विधानसभा सीट से दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को मैदान में उतारा है। इसी के साथ कालकाजी सीट का टेम्प्रेचर और ज्यादा बढ़ गया है। दरअसल एक दिन पहले कांग्रेस ने अपनी तेज तर्रार नेता अलका लांबा को कालकाजी सीट से उतारकर दिल्ली की सीएम और कालकाजी सीट से आम आदमी पार्टी (आप) की प्रत्याशी आतिशी के सामने चुनौती पेश कर दी है। इस सीट पर दिलचस्प और कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। तीनों ही नेता ताकतवर हैं और जनता के बीच सीधी पकड़ रखते हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि आतिशी के लिए जीत राह काफी मुश्किल हो गई है।

बीजेपी ने मुख्यमंत्री आतिशी के सामने पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को चुनावी मैदान में उतारा है। अब इस पर सीएम आतिशी की प्रतिक्रिया सामने आई है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, 10 साल रमेश बिधूड़ी सांसद थे उनकी पार्टी ने उन्हें सांसद के लायक नहीं समझा उनकी पार्टी के लोग जब उनपर भरोसा नहीं कर पाए तो कालकाजी की जनता कैसे करेगी।

त्रिकोणीय हुआ मुकाबला: दिल्ली की कालका जी विधानसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला होने जा रहा है। आप की आतिशी, भाजपा के रमेश बिधूड़ी और कांग्रेस की अलका लांबा मैदान में हैं। तीनों ही अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। अलका लांबा का कहना है कि आप और भाजपा की लड़ाई कांग्रेस के लिए फायदेमंद होगी। कालका जी विधानसभा चुनाव में इस बार मुकाबला काफी दिलचस्प होने वाला है। आप ने मुख्यमंत्री आतिशी पर भरोसा जताया है, जबकि भाजपा ने रमेश बिधूड़ी को अपना उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने अनुभवी नेता अलका लांबा को चुनावी मैदान में उतारा है। तीनों ही उम्मीदवारों ने जीत का दावा किया है। अलका लांबा का मानना है कि आप और बीजेपी में टक्कर से कांग्रेस को फायदा होगा। उनका कहना है, आप-बीजेपी की लड़ाई में कांग्रेस के लिए अवसर है।

पिछली बार के जीत हार का अंतर: पिछली बार कालका जी से आतिशी ने 55897 वोट हासिल करके जीत हासिल की थी। दूसरे नंबर पर बीजेपी के धरमबीर सिंह थे जिन्हें 44504 वोट मिले थे। कांग्रेस की शिवानी चोपड़ा महज 4965 वोट हासिल कर पाई थीं और वह तीसरे नंबर पर रही थीं।

आज का राशिफल

मेष

आज दिन मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि का है और आपके लिए तरक?की के योग हैं। आपके सुख में वृद्धि होगी और भा?य का भरपूर साथ मिलेगा। आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे और आपके धन में वृद्धि होगी। आपको कारोबार में धन लाभ होगा और आर्थिक मामलों में योजनाएं सफल होंगी।

वृष

आज कारोबार में मान सम्मान मिलेगा। आपकी धार्मिक भावनाएं प्रबल होंगी और आपको ऑफिस में किए गए कार्यों में प्रशंसा मिलेगी। रात में किसी सामाजिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। आपके धन में वृद्धि होगी और कारोबार में अच?छा मुनाफा प्राप?त होगा।

मिथुन

आज दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। आपके घर में किसी कारण से विवाद हो सकता है। प्रॉपर्टी को लेकर भाइयों में आपस में विवाद हो सकता है। शत्रु भी परेशान कर सकते हैं।

कर्क

आज दिन बहुत शुभ है और आर्थिक मामलों में आपके लिए तरक?की के योग बन रहे हैं। आपकी योजनाएं सफल होंगी और कारोबार में आपको मुनाफा काफी अच?छा होगा। बृहस्पति के राशि पर होने से सफलता मिलेगी।

सिंह

आज काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है और दिन भर आपके प्रतिद्वंद्वी आपको काफी परेशान कर सकते हैं। आपके कारोबार में अचानक लाभ और प्रगति होगी। संतान से शुभ समाचार मिलेगा। कोई व्यक्ति आपके काम में दखल देने की कोशिश कर सकता है, उससे सावधान रहें।

कन्या

आज चल रहा असमंजस दूर होगा। रुके हुए काम पूरे होंगे। रचनात्मक कार्यों में गति आएगी। ज्ञान, विज्ञान, कला और लेखन में सफलता मिलेगी। शाम का समय आनंद में बीतेगा। करियर में आपके लिए दिन शुभ है और कारोबार में आपकी तरक?की के योग हैं।

तुला

आज दिन जोखिम भरे कामों से जुड़ा है। परिवार आपके काम के जोखिमों से अनजान है। आपको किसी भी संकट से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। आपके सम?मान में वृद्धि के दिन हैं और कारोबार में भा?य का साथ मिलेगा। आपकी योजनाएं सफल होंगी।

वृश्चिक

आज दिन अस्त-व्यस्त रह सकता है। घरेलू और व्यावसायिक जीवन में विवाद और झंझट हो सकते हैं। शाम तक आप अपनी कार्यकुशलता से समस्याओं को कम कर पाएंगे। रात का समय किसी सामाजिक या राजनीतिक कार्यक्रम में बीतेगा।

धनु

आज दिन रणनीति बनाने का है। प्रतियोगिता या परीक्षा में सफलता के लिए उचित योजना बनाएं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। रात में माता को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। आपको इसके लिए काफी दौड़भाग करना पड़ सकती है और आपका कोई अपना भी आपके पीछे लगा रहेगा।

मकर

आज दिन खुशियों भरा रहेगा। बड़े लाभ के लिए भागदौड़ करेंगे। परिस्थितियां अनुकूल होंगी और काम बनेंगे। तनाव कम होगा। ऑफिस में जो लोग काम करते हैं उन?हें अधिक काम करना पड़ेगा। बाकी लोगों के छुट्टी पर जाने की वजह से आपका काम बढ़ सकता है।

कुंभ

आज दिन काम का बोझ लेकर आएगा। विरोधी आपको फालतू कामों में उलझाने की कोशिश करेंगे। अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए वरिष्ठ अधिकारी को सूचित करें। खर्चे बढ़ सकते हैं। कोई मेहमान आपके घर आकर डेरा डाल सकता है।

मीन

आज दिन परिवार और रोजगार पर ध्यान देने का है। व्यवसाय के विस्तार के लिए अच्छा समय है। बाहरी मदद भी मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आपके धन में वृद्धि के योग हैं। आपको कहीं से रुका धन प्राप?त हो सकता है और आपके लिए तरक?की व सम?मान में वृद्धि के योग बने हैं।

संक्षिप्त समाचार

मंगलुरु में डॉप्लर मौसम रडार का उद्घाटन जनवरी अंत तक होने की संभावना: आईएमडी

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के बेंगलुरु केंद्र के प्रमुख एन पुवियारासन ने कहा कि मंगलुरु में कर्नाटक के पहले सी बैंड डॉप्लर मौसम रडार (डीडब्ल्यूआर) का काम 15 जनवरी तक पूरा होना था लेकिन कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण इसमें देरी होगी. आईएमडी के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चार जनवरी को आईएमडी बेंगलुरु द्वारा आयोजित कार्यशाला से इतर पुवियारासन ने पीटीआई-भाषा से कहा कि हमें उम्मीद है कि इस माह के अंत तक यह काम करना प्रारंभ कर देगा. कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र (केएसएनडीएमसी) के परिसर में हुई इस कार्यशाला में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, बेंगलुरु और कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के तकनीकी सत्र सहित दिन भर कई सत्र आयोजित किए गए. पुवियारासन ने यह भी कहा कि जरूरत अनुसार भूमि नहीं मिलने के कारण आईएमडी को यहां एस-बैंड डीडब्ल्यूआर स्थापित करने में मुश्किलें आईं. एस-बैंड रडार 400 किलोमीटर के दायरे की कवरेज प्रदान करता है, जबकि सी-बैंड और एक्स-बैंड की क्षमता क्रमशः 250 किलोमीटर और 100 किलोमीटर है. पुवियारासन ने कहा कि हमें एक टावर और उसके साजो सामान के लिए कक्ष तैयार करने के लिए उचित स्थान की आवश्यकता है. उनके अनुसार शुरुआत में आईएमडी ने नंदी हिल्स में रडार लगाने की योजना बनाई थी, लेकिन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे के अनुरोध पर बेंगलुरु में उपयुक्त स्थान की तलाश शुरू कर दी गई है।

समाज के पुनर्निर्माण में कल्याण सिंह का अविस्मरणीय योगदान : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रविवार को कहा कि उनका समाज के पुनर्निर्माण में अविस्मरणीय योगदान है। योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' परपोस्ट कर कहा, ''उत्तर प्रदेश में सुशासन के संस्थापक, श्री राम मंदिर आंदोलन के अग्रदूत, राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय कल्याण सिंह 'बाबूजी' का समाज के पुनर्निर्माण में अविस्मरणीय योगदान है।'' उन्होंने कहा, ''उन्होंने (कल्याण सिंह) अपने जीवन का एक-एक क्षण समाज व राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया था। सेवा, सुशासन और सामाजिक न्याय हेतु सदैव समर्पित रहे पद्म विभूषण श्रद्धेय 'बाबूजी' की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा ''उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पद्म विभूषण से सम्मानित आदरणीय कल्याण सिंह जी को जयंती पर श्रद्धापूर्ण नमन !'' मौर्य ने कहा, ''बाबूजी का जीवन उनके सिद्धांतों, निडरता एवं लोक सेवा के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक रहा। उनका न कोई पछतावा, न कोई पश्चाताप, न कोई दुःख, न ही कोई शोक का मूलमंत्र उनकी गंभीरता तथा आत्मिक सत्यता का प्रतीक रहने के साथ-साथ हम सभी का राष्ट्रोत्थान व सांस्कृतिक पुनः जागरण के प्रति मार्गदर्शन करता रहेगा।'' उत्तर प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री और राजस्थान के राज्यपाल रहे कल्याण सिंह का जन्म पांच जनवरी 1932 को अलीगढ़ जिले में हुआ था और 21 अगस्त 2021 को उन्होंने अंतिम सांस ली।

प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के पूर्व अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी को जन्मदिन की बधाई दी

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी को उनके 90वें जन्मदिन पर रविवार को बधाई दी और उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भाजपा के यशस्वी नेता आदरणीय डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी को उनके जन्मदिन पर बहुत-बहुत बधाई। वे पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, उनकी विद्वता, दीर्घकालिक अनुभव एवं राष्ट्रवादी विचार देश के लिए बेहद मूल्यवान हैं। मैं उनके स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन की कामना करता हूं। जोशी भाजपा के पूर्व अध्यक्ष हैं और अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में मंत्री भी रहे चुके हैं। वर्तमान में वह भाजपा के मार्गदर्शक मंडल के सदस्य हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनके जन्मदिन पर रविवार को बधाई दी और उनके लंबे व स्वस्थ जीवन की कामना की। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी को जन्मदिन की बधाई। उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।'' बनर्जी साल 2011 से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री हैं, उनकी गिनती देश में विपक्ष के प्रमुख नेताओं में होती है।

नई दिल्ली सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को घेरेंगे दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे

नई दिल्ली, एजेंसी। आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा पहली सूची जारी करने के बाद नई दिल्ली विधानसभा सीट पर चुनावी जंग रोचक हो गई है. एक ओर जहां नई दिल्ली सीट से आम आदमी पार्टी प्रत्याशी के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चौथी बार चुनाव मैदान में है तो वहीं कांग्रेस ने भी पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पुत्र संदीप दीक्षित को प्रत्याशी घोषित कर रखा है.

अब आज भाजपा द्वारा जारी सूची में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री रहे साहिब सिंह वर्मा के पुत्र व पूर्व भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा को नई दिल्ली सीट से केजरीवाल के खिलाफ मैदान में उतारा गया है. इसके बाद से नई दिल्ली सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले की चर्चाएं तेज हो गई हैं. अब इस सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे चुनावी समर में घेरेंगे. इस बार के विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल को कड़ी चुनौती मिलती दिख रही है. संदीप दीक्षित के पास नई दिल्ली सीट से 15 साल तक विधायक रही, उनकी मां शीला दीक्षित की विरासत और उनके कराए गए कामों को लेकर जनता के बीच जाने का मौका है तो वही प्रवेश वर्मा के पास दो बार सांसद और एक बार विधायक रहने के अनुभव के साथ ही अपने पिता पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के द्वारा दिल्ली में कराए गए कामों को जनता के बीच लेकर जाने का मौका है.

क्षेत्र में शुरू हुई सरगर्मियां: बतादें कि प्रवेश वर्मा ने प्रत्याशी घोषित होने से एक महीने पहले ही नई दिल्ली विधानसभा सीट पर चुनाव की तैयारी शुरू कर दी थी. साथ ही लोगों के बीच में अपनी सक्रियता बढ़ा दी थी. वहीं, करीब 15 दिन पहले कांग्रेस की दूसरी सूची में टिकट मिलने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित ने भी नई दिल्ली इलाके में जनसंपर्क शुरू कर दिया है. उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली विधानसभा सीट पर अब तक हुए 7 चुनाव में सिर्फ पहले चुनाव में ही भाजपा को जीत मिली थी. उसके बाद से तीन बार से कांग्रेस और तीन बार से आम आदमी पार्टी का कब्जा रहा है।

2013 में शीला दीक्षित को मिली थी करारी शिकस्त: 2013 के विधानसभा चुनाव में जब पहली बार केजरीवाल की आम आदमी पार्टी चुनावी मैदान में उतरी और खुद अरविंद केजरीवाल ने शीला दीक्षित के खिलाफ यहां से ताल ठोक दी थी. जब चुनाव परिणाम आया तो हर कोई हैरान था, क्योंकि केजरीवाल ने नई दिल्ली सीट से शीला दीक्षित को 25,864 वोटों के बड़े अंतर से शिकस्त दी थी. अरविंद केजरीवाल को जहां 44269 वोट मिले तो शीला दीक्षित को महज 18405 वोटों से संतोष करना पड़ा और तीसरे नंबर रहे बीजेपी उम्मीदवार विजेंद्र गुप्ता को तब 17952 वोट मिले थे. 2015 के चुनाव में केजरीवाल ने भाजपा प्रत्याशी नूपुर शर्मा को 31583 वोटों के बड़े अंतर से हराया जबकि कांग्रेस प्रत्याशी किरण वालिया की मात्र 4781 वोट पाकर जमानत जब्त हो गई थी।

1993 में दिल्ली में पहला विधानसभा चुनाव: सन 1993 में दिल्ली में पहला विधानसभा चुनाव हुआ था तब इस सीट को गोल मार्केट के नाम से जाना जाता था. भाजपा ने उस समय पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद को गोल मार्केट सीट से टिकट दिया था. कीर्ति आजाद चुनाव जीतकर विधायक बन गए थे. उसके बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी थी. फिर वर्ष 1998 में कांग्रेस नेता शीला दीक्षित ने लगातार तीन बार 1998, 2003 और 2008 में इस सीट पर जीत दर्ज की. 2008 में हुए परिसीमन में गोल मार्केट सीट का नाम बदलकर नई दिल्ली सीट कर दिया गया. बता दें कि 1956 से 1993 तक दिल्ली में न मुख्यमंत्री था और न विधानसभा. इस बीच 61 सदस्यीय मेट्रोपॉलिटन काउंसिल ने दिल्ली का प्रशासन संभाला था. 1993 में फिर से चुनाव हुए और दिल्ली को विधानसभा मिली.

केजरीवाल की जीत का आगाज: वर्ष 2013 में हुए विधानसभा चुनाव में पहली बार आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को हराकर जीत दर्ज की थी. 1998 के चुनाव के बाद से इस सीट के साथ यह तथ्य जुड़ गया कि जिस प्रत्याशी ने भी इस सीट से जीत दर्ज की, वह लगातार तीन बार मुख्यमंत्री बना. पहले शीला दीक्षित और उनके बाद केजरीवाल भी लगातार तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

दिल्ली में खराब वायु गुणवत्ता से लोग परेशान, कुछ इलाकों में एक्यूआई पहुंचा 400 पार

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जहां एक तरफ ह्राड़ कंपा देने वाली सर्दी ने लोगों का जीना बेहाल कर दिया है तो दूसरी तरफ वायु प्रदूषण से भी लोग परेशान हैं। इसने लोगों के बीच स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर दीं हैं। इससे लोगों में आंखों के जलन की समस्या और सांस संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, रविवार सुबह 8: 30 बजे तक दिल्ली में औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक 374 था। वहीं, दिल्ली एनसीआर के अन्य शहरों में फरीदाबाद का एक्यूआई 188, गुरुग्राम का 278, गाजियाबाद का 260, ग्रेटर नोएडा का 184 और नोएडा का 242 था। दिल्ली के 9 इलाकों में एक्यूआई 400 से ज्यादा और 500 के आसपास था। इनमें बवाना, द्वारका सेक्टर 8, जहांगीरपुरी, मुंडका, फताफतगंज, रोहिणी, सिविल लाइन्स, विवेक विहार और वजीरपुर शामिल हैं। इन इलाकों में एक्यूआई 400 से 426 के बीच था। दिल्ली के बाकी इलाकों में एक्यूआई 300 से 400 के बीच था, जो वायु गुणवत्ता के खराब स्तर को दर्शाता है। वहीं, दिल्ली के कई इलाके में एक्यूआई गंभीर बनी हुई है। इन इलाकों का एक्यूआई 400 से ज्यादा दर्ज किया गया है, जिसमें अशोक विहार 407, द्वारका सेक्टर-8 410, जहांगीरपुरी- 407, मुंडका 424, पटपड़गंज 415, आरके पुरम 403, रोहिणी 411, सिरीफोर्ट 428, विवेक विहार 436, वजीरपुर 425 और बवाना का एक्यूआई 401 दर्ज किया गया हैं। इन इलाकों के अलावा भी दिल्ली के 22 इलाकों का एक्यूआई भी खतरनाक स्थिति में बना हुआ है।

उत्तराखंड में निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भाजपा में शामिल

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस की प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष मथुरा दत्त जोशी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। बताया जा रहा है कि जोशी पार्टी हाईकमान द्वारा पिथौरागढ़ में महापौर सीट के लिए उनकी पत्नी को टिकट नहीं दिए जाने के बाद से नाखुश थे। भाजपा में शामिल होने वाले अन्य नेताओं में कांग्रेस की प्रदेश इकाई के पूर्व उपाध्यक्ष बिट्टू कर्नाटक और दो बार जिला पंचायत अध्यक्ष रहे जगत सिंह खाती शामिल हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने शनिवार को यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय में नेताओं का सत्तारूढ़ दल में स्वागत किया। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेताओं को मेहनती और योग्य व्यक्ति करार देते हुए धामी ने भरोसा जताया कि भाजपा को निकाय चुनाव में उनके अनुभव का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस में योग्य और अच्छे लोगों की कोई कद्र नहीं है। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेताओं ने कहा कि कांग्रेस समर्पित कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान नहीं दे रही है।

दुनिया की रहस्यमयी बर्ड का उत्तराखंड से है गहरा नाता, संग्रहालय में सुरक्षित 150 साल से नमूने

देहरादून , एजेंसी। पूरी दुनिया के लिए रहस्य बनी हिमालयन क्रेल भले ही 150 साल से किसी को नजर ना आई हो, लेकिन आज भी हर कोई इसके धरती पर होने की उम्मीद लगाए हुए है. बड़ी बात ये है कि दुनिया के लिए पहेली बनी ये बर्ड उत्तराखंड से ताल्लुक रखती है और आखिरी बार इसे यहीं देखा गया था. राष्ट्रीय पक्षी दिवस पर आज बात पक्षियों की एक ऐसी खास प्रजाति की जो दुनिया के लिए एक मिस्ट्री है और जिससे जुड़े सवालों को तमाम सर्वे और प्रयासों के बाद भी नहीं तलाशा जा सका है.

पक्षियों की 12प्रतिशत प्रजातियां खतरे में: दुनिया भर में पक्षियों की हजारों प्रजातियां हैं. इनमें कई पक्षी आमतौर पर दुनिया के किसी भी हिस्से में सामान्य रूप से बहुतायत संख्या में मिल जाते हैं, तो कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें खतरे में माना गया है. इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर के अनुसार दुनिया में पक्षियों की कुल प्रजातियों में से 12प्रतिशत प्रजातियां रेड लिस्ट यानी खतरे में हैं. हालांकि ऐसी बर्ड्स के संरक्षण को लेकर कंजर्वेशन प्लान पर काम हो रहा है. लेकिन एक पक्षी ऐसा भी है जिसका अस्तित्व रहस्यमयी बना हुआ है.

हिमालयन क्रेल की मिस्ट्री: हिमालयन क्रेल दुनिया के लिए एक मिस्ट्री है. इस पक्षी को 1876 में आखिरी बार देखा गया था. बड़ी बात यह है कि हिमालयन क्रेल पूरी दुनिया में केवल उत्तराखंड में ही देखी गई है. उत्तराखंड के मसूरी और

नैनीताल में इसे करीब 150 साल पहले देखा गया था. इसके बावजूद इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ने इसे विलुप्त नहीं माना और हिमालयन क्रेल को गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजाति के पक्षी की सूची में रखा गया. जाहिर है कि दुनिया को इसके धरती पर अब भी मौजूद होने की उम्मीद है और इसी उम्मीद के साथ तमाम पक्षी प्रेमी इसकी तलाश में भी है.

उत्तराखंड में बसता है परिंदों का अद्भुत संसार : दुनिया भर में पक्षियों की करीब 11000 प्रजातियां मौजूद हैं. इनमें से भारत में करीब 1360 प्रजातियां रिकॉर्ड की गई हैं, जबकि उत्तराखंड में इनमें से 729 प्रजातियां चिन्हित की गई हैं. यानी देशभर में पाई जाने वाली कुल पक्षियों की प्रजातियों में से 50 प्रतिशत से ज्यादा उत्तराखंड में मौजूद हैं, जो कि प्रदेश में पक्षियों के लिए बेहतर माहौल को जाहिर करती है. इस लिहाज से देश में उत्तराखंड उन चुनिंदा राज्यों में शामिल है, जहां सैकड़ों पक्षियों की प्रजातियां दर्ज की गई हैं. हिमालयन क्रेल को लेकर अभी तक वैज्ञानिक रूप से जानकारियां अपूर्ण हैं. माना गया है कि ये पक्षी अभी विलुप्त नहीं हुआ है, बल्कि इसकी आबादी बेहद कम होने की संभावना व्यक्त की गई है और इसलिए इस रहस्यमयी पक्षी को गंभीर रूप से संकटग्रस्त का दर्जा दिया गया है. इस पक्षी को तलाशने के लिए कई बार सर्वे किए गए हैं और अध्ययन के जरिए भी इसका पता लगाने की कोशिश की गई है।

बिहार में दही-चूड़ा भोज की सियासत और खरमास के बाद नीतीश कुमार के तेवर पर सबकी नजरें

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार की राजनीति में सियासी पारा एक बार फिर चढ़ चुका है. चुनाव को देखते हुए और भाजपा और जेडीयू के रिश्ते में आ रहे कुछ फासले के बाद सबकी नजरें मकर संक्रांति यानी दही-चूड़ा के भोज पर होने वाली सियासत और खरमास खत्म होने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के तेवर के साथ महागठबंधन के ऑफर पर टिकी हैं. सूत्रों की मानें तो अभी भाजपा यह मानकर चल रही है कि इस बार पलटी मारने का जोखिम नीतीश नहीं ले पाएंगे और अगर लेते भी हैं तो इसका खामियाजा जेडीयू को भुगतना पड़ सकता है. भाजपा पर इसका नुकसान बहुत ज्यादा नहीं पड़ने की संभावना जताई जा रही है. भाजपा सूत्रों की मानें तो नीतीश कुमार चुनाव से पहले हमेशा से दबाव की राजनीति खेलते आए हैं और इस राजनीति के केंद्र में होता है उनकी पार्टी को उनके मन मुताबिक सीटें और उनके लिए मुख्यमंत्री बनाने का वादा. मगर पार्टी के विश्वस्त सूत्रों की मानें तो इस बार महाराष्ट्र का फॉर्मूला भाजपा बिहार में भी लागू कर सकती है, जिसमें ये साफ कह दिया गया था कि गठबंधन में जिसकी जितनी सीटें उसको उतनी बड़ी जिम्मेदारी. हालांकि, अगर बिहार में दोबारा एनडीए की सरकार बनती भी है तो नीतीश सीएम से नीचे कोई पद शायद ही स्वीकार करें. इस बात से भी भाजपा पूरी तरह से वाकिफ है, मगर चुनाव से पहले अपने सारे पत्ते नहीं खोलना चाहती है. वहीं प्लान बी के मुताबिक यदि नीतीश पाला बदलते हैं तो भाजपा नीतीश के खिलाफ बहुत ज्यादा आक्रामक ना होकर खुद उनको एक्पोज होने देगी ताकि उनकी पलटू राम की इमेज पर जनता खुद निर्णय ले. राजनीतिक पंडितों की मानें तो फिलहाल ऐसी बातें सिर्फ इसलिए फैलाई गई हैं कि नीतीश कुमार मन मुताबिक गठबंधन में अपनी पार्टी के लिए सीट पा सकें. पिछली बार भी भाजपा ने कई ऐसी सीटें जेडीयू को दी थीं, जिन पर भाजपा के प्रमुख नेता चुनाव लड़ते आए थे और जेडीयू को उन सीटों पर हार का सामना करना पड़ा. दरअसल, लालू प्रसाद यादव के बयान जिसमें उन्होंने नीतीश के लिए दरवाजे खुला होने की बात कही और बिहार के नए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के शपथ समारोह के दौरान की तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार की एक तस्वीर ने भी इन अटकलों को हवा दी कि क्या एक बार फिर नीतीश महागठबंधन से जुड़ सकते हैं।

दिल्ली की समस्याओं का समाधान स्थाई सरकार ही कर सकती है, अस्थाई मुख्यमंत्री नहीं : अलका लांबा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कालकाजी सीट का मुकाबला त्रिकोणीय है। एक ओर सत्ताधारी पार्टी आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री आतिशी को यहां से प्रत्याशी बनाया है। भाजपा ने पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को मैदान में उतारा है। कांग्रेस पार्टी ने अलका लांबा को इस विधानसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी बनाया है। इन तीनो हाई प्रोफाइल नेताओं की वजह से कालकाजी में मुकाबला पेचीदा हो गया है। कांग्रेस प्रत्याशी अलका लांबा ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए चुनाव में अपना पलड़ा भारी बताया। साथ ही उन्होंने आप प्रत्याशी आतिशी को अस्थाई मुख्यमंत्री बताते हुए भाजपा प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि मेरा 30 साल का संघर्ष, मेरी ईमानदारी और काम, दिल्ली में जन्मी और पली-बढ़ी एक राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जनता के लिए किया गया कार्य लोगों के दिलों में जगह बनाएगा। अब मेरा लक्ष्य कालकाजी की जनता का विश्वास जीतना है, और उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान देना है। उन्होंने कहा, जो समस्याएं हैं, उनका हल अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी होना चाहिए। दिल्ली में प्रदूषण, यमुना का दूषित पानी, बढ़ते अपराध, महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्याएं हैं, जिनका समाधान केवल एक स्थायी सरकार ही कर सकती है। कोई अस्थाई मुख्यमंत्री इसका समाधान नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री की ओर से जो भी दावा किया जाता है, वह कालकाजी और बाकी विधानसभा क्षेत्रों के लिए असंगत है। एक आदर्श विधानसभा का मॉडल कालकाजी को बनना चाहिए था, लेकिन यहां की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है। सड़कें खुदी पड़ी हैं, पार्किंग की समस्या, जाम की समस्या और गंदगी की स्थिति अब भी जस की तस है। इसका दोष भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों पर है। दोनों ने सत्ता संभालने के बाद कालकाजी की जनता के साथ धोखा किया और उन्हें निराश किया।

कालकाजी सीट पर रमेश बिधूड़ी की एंट्री से मुख्यमंत्री आतिशी को मिल सकती है कड़ी चुनौती, अलका लांबा भी देंगी टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की पहली सूची जारी होने के बाद कालकाजी सीट पर भी तीनों प्रमुख पार्टियों आप, बीजेपी और कांग्रेस के प्रत्याशियों की तस्वीर साफ हो गई है. आम आदमी पार्टी ने कालकाजी सीट पर मुख्यमंत्री आतिशी को टिकट दिया है, तो वहीं कांग्रेस ने महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं चांदनी चौक की पूर्व विधायक अलका लांबा को प्रत्याशी बनाया है. वहीं, अब शनिवार को भाजपा द्वारा कालकाजी सीट से दक्षिणी दिल्ली के सांसद रहे रमेश बिधूड़ी को मैदान में उतारा गया है. अब तीनों ही पार्टियों द्वारा मजबूत प्रत्याशी देने से ऐसा माना जा रहा है कि इस सीट पर सीएम आतिशी को कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ेगा।

कालकाजी सीट बनी हाई प्रोफाइल सीट : विधायक बनने के करीब 3 वर्ष बाद आतिशी को मनीष सिसोदिया के जेल जाने के बाद दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में 10 से ज्यादा विभाग का मंत्री बनने का मौका मिला. वहीं, अरविंद केजरीवाल के जेल जाने और जेल से बाहर आने के बाद मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला. आतिशी के मुख्यमंत्री होने के चलते कालकाजी सीट हाई प्रोफाइल सीट हो गई है. इसी के चलते कांग्रेस ने चांदनी चौक सीट से विधायक रहीं अलका लांबा को कालकाजी से प्रत्याशी बनाया है. वहीं,

भाजपा ने भी तुगलकाबाद सीट से तीन बार विधायक रहे और दो बार दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से सांसद रहे रमेश विधूड़ी को आतिशी के सामने मैदान में उतारा है. कालकाजी दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट का हिस्सा है. इस वजह से सांसद के रूप में रमेश बिधूड़ी का भी क्षेत्र रहा है. इसलिए भाजपा ने रमेश बिधूड़ी पर कालकाजी सीट पर दांव खेला है. जबकि कांग्रेस प्रत्याशी अलका लांबा कालकाजी के लिए बाहरी हैं. अलका लांबा को चुनाव लड़ने में यहां के स्थानीय कांग्रेस नेताओं और पूर्व विधायक सुभाष चोपड़ा की भूमिका प्रमुख रहेगी.

जानिए कालकाजी सीट का इतिहास : बता दें कि कालकाजी सीट पर दो बार से आम आदमी पार्टी का कब्जा है. इससे पहले तीन बार कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा इस सीट से विधायक रहे हैं. वहीं, वर्ष 1993 के पहले चुनाव में एक बार भाजपा की पूर्णिमा सेठी को इस सीट से जीत मिली. जबकि वर्ष 2013 में शिरोमणि अकाली दल भाजपा गठबंधन प्रत्याशी के तौर पर दिल्ली सिख गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के मौजूदा अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने कालकाजी विधानसभा सीट से जीत दर्ज की थी. इसके बाद वर्ष 2015 के चुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी अवतार सिंह ने इस सीट पर जीत दर्ज की. उसके बाद पिछले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने अवतार सिंह का टिकट काटकर आतिशी को प्रत्याशी बनाया. आतिशी ने 11000 से अधिक वोटो के अंदर से जीत दर्ज की.

रमेश बिधूड़ी को बीजेपी से टिकट मिलने पर बोलीं आतिशी : भाजपा द्वारा पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को कालकाजी सीट से अपने खिलाफ टिकट देने पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि जब खुद भाजपा ने रमेश बिधूड़ी को सांसद का टिकट न देकर उनके कद को छोटा कर दिया था।

बुलवायो टेस्टः अफगानिस्तान 205 रन से आगे

रहमत शाह ने शतक लगाया, इस्मात आलम की फिफ्टी; मुजरबानी को 4 विकेट

बुलवायो (एजेंसी)। अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच बुलवायो में टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच खेला जा रहा है। शनिवार को मुकाबले के तीसरे दिन अफगानिस्तान ने दूसरी पारी में 205 रन की बढ़त बना ली है। टीम ने स्टंप्स तक 7 विकेट पर 291 रन बना लिए।

अफगानिस्तान के लिए दूसरी पारी में रहमत शाह ने सेंचुरी लगाई। वहीं इस्मात आलम फिफ्टी बनाकर नॉटआउट रहे। जिम्बाब्वे से ब्लेसिंग मुजरबानी 4 विकेट ले चुके हैं। बुलवायो में ही पहला टेस्ट 5 दिन चलने के बाद भी ड्रॉ हो गया था।

पहली पारी में 157 रन ही बना सका अफगानिस्तान - गुरुवार को जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। अफगानिस्तान टीम पहली पारी में 157 रन ही बना सकी। राशिद खान ने सबसे ज्यादा 25 रन बनाए। 7 अन्य बैटर्स ने 10 रन का आंकड़ा पार किया, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल सका।

अफगानिस्तान से जिया-उर-रहमान 8 और अहमदजई 2 ही रन बना सके। इस्मात आलम तो खाता भी नहीं खोल सके। जिम्बाब्वे से पहली पारी में सिकंदर रजा

और न्यूमैन न्यामुरी ने 3-3 विकेट लिए। ब्लेसिंग मुजरबानी को 2 और रिचर्ड नगारावा को 1 विकेट मिला।

जिम्बाब्वे की खराब शुरुआत- पहली पारी में जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 41 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। जॉयलॉर्ड गुम्बी 8, बेन करन 15 और डायन मायर्स 5 ही रन बना सके। टी कायतानो खाता भी नहीं खोल सके। सिकंदर रजा ने फिर कप्तान क्रैग इरविन के साथ पारी संभाली। दोनों ने फिफ्टी लगाई और स्कोर 100 रन के पार पहुंचा दिया। रजा 61 रन बनाकर आउट हुए।

विलियम्स-इरविन ने दिलाई बढ़त - रजा के आउट होने के बाद जिम्बाब्वे ने 147 रन तक 7 विकेट गंवा दिए। ब्रायन बेनेट 2 और न्यूमैन न्यामुरी 11 ही रन बना सके। शॉन विलियम्स ने फिर कप्तान इरविन के साथ 73 रन की पार्टनरशिप की और स्कोर 220 तक पहुंचा दिया। विलियम्स 49 रन बनाकर आउट हुए। इरविन भी आखिर में 75 रन के स्कोर पर आउट हुए और टीम का स्कोर 243 रन तक पहुंच गया। अफगानिस्तान से राशिद खान ने 4 विकेट लिए। अहमदजई को 3 और फरीद अहमद को 2 विकेट मिले। एक सफलता जिया-उर-रहमान के हाथ भी लगी।

दूसरी पारी में अफगानिस्तान की वापसी - अफगानिस्तान पहली पारी में 86 रन से पीछे रहा, लेकिन टीम ने दूसरी पारी में वापसी की। ओपनर अब्दुल मलिक 1 और रियाज हसन 11 ही रन बना सके। रहमत शाह एक एंड पर टिक गए, लेकिन उनके सामने हशमतुल्लाह शहीदी 14, जिया-उर-रहमान 6 और अफसर जजई 5 रन बनाकर आउट हो गए।

इस्मात ने 300 के करीब पहुंचाया - अफगानिस्तान ने 69 रन पर 5 विकेट गंवाए। यहां शाहिदुल्लाह कमल ने रहमत के साथ 67 रन की पार्टनरशिप की और स्कोर 100 के पार पहुंचाया। उनके बाद इस्मात आलम ने फिफ्टी लगाई औ रहमत शाह के साथ मिलकर स्कोर 250 के पार पहुंचा दिया। रहमत 139 रन बनाकर आउट हुए और उनकी शाहिदुल्लाह के साथ 132 रन की पार्टनरशिप टूटी।

इस्मात ने फिर राशिद खान के साथ पारी संभाली। दोनों ने 23 रन की पार्टनरशिप की और स्कोर 291 रन तक पहुंचा दिया। तीसरे दिन स्टंप्स तक राशिद 12 और इस्मात 64 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। जिम्बाब्वे से ब्लेसिंग मुजरबानी ने 4 विकेट लिए। रिचर्ड एनगरावा को 2 और सिकंदर रजा को 1 विकेट मिला।

ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर किया कब्जा, शानदार 3-1 से जीत

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की रोमांचक सीरीज 3-1 से जीतकर एक दशक बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। इस ऐतिहासिक जीत ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड को यादगार बना दिया, जहां आखिरी टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत ने यह भी सुनिश्चित किया कि ऑस्ट्रेलिया जून में लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खिताब की रक्षा करेगा।

रोमांचक सीरीज में हर पल था दिलचस्प -इस सीरीज का हर दिन क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक नई कहानी लेकर आया। हर सत्र में मुकाबला पल-पल बदलता रहा। जब भारत के तेज गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को परेशान किया, तो ऑस्ट्रेलिया ने अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी की रणनीतियों से जवाब दिया। इस मैच में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड गुलाबी रंग में रंगा हुआ था, क्योंकि यह ग्लेन मैकग्राथ की कैंसर चैरिटी का हिस्सा था।

बुमराह की कमी और हेड-वेबस्टर की जोड़ी - भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के कारण सीरीज के अंत में मैदान पर नहीं उतर सके। उनका स्थान भरना मुश्किल था, लेकिन ट्रैविस हेड और डेब्यू करने वाले ब्यू वेबस्टर ने 58 रनों की नाबाद साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को 162 रनों का लक्ष्य हासिल करने में मदद की। वेबस्टर ने अपने डेब्यू मैच में विजयी चौका जड़कर शानदार शुरुआत की। हेड ने नाबाद 34 रन बनाए, जबकि वेबस्टर ने नाबाद 39 रन बनाए।

भारत के संघर्षपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद - भारत ने इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन कुछ चोटों और खराब फॉर्म के कारण अंत में सीरीज अपने नाम नहीं कर सका। कप्तान रोहित शर्मा खराब फॉर्म के कारण पांचवें टेस्ट से बाहर हुए और टीम की तरफ से रविचंद्रन अश्विन ने बीच सीरीज में संन्यास ले लिया। विराट कोहली भी इस सीरीज में अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे।

स्कॉट बोलैंड ने दिलाई यादगार जीत

ऑस्ट्रेलिया के 19 वर्षीय तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को सिडनी टेस्ट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने मैच में 45 रन देकर 6 विकेट चटकाए, जिसमें भारत के प्रमुख बल्लेबाजों को आउट करना शामिल था। उनका यह प्रदर्शन टीम के लिए निर्णायक साबित हुआ और ऑस्ट्रेलिया को सीरीज में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

सैम कोंस्टास और स्मिथ की शानदार बल्लेबाजी

सिडनी में पदार्पण करने वाले सैम कोंस्टास ने शानदार शॉट्स और बोल्ड बल्लेबाजी से अगले साल की एशेज सीरीज के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। दूसरी ओर, स्टीव स्मिथ ने मेलबर्न में 140 रनों की शानदार पारी खेली, जिससे ऑस्ट्रेलिया की 184 रन की जीत सुनिश्चित हुई।

एक ऐतिहासिक सीरीज

यह सीरीज भारत के लिए एक युग के अंत जैसी रही। हालांकि, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार उन्होंने 2018-19 के बाद ऑस्ट्रेलिया में जीत की राह नहीं पकड़ी। इस सीरीज में खिलाड़ियों की गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों का ही उत्कृष्ट प्रदर्शन देखा गया।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी हारते ही, भारत डब्ल्यूटीसी फाइनल से बाहर

सिडनी (एजेंसी)। शीर्ष खिलाड़ियों की खराब फॉर्म से जूझ रही भारतीय टीम रविवार को यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट में छह विकेट से हार के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल से बाहर हो गई जबकि ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत के साथ 10 साल बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 3-1 से जीतकर डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाई। बदलाव के कठिन दौर से गुजर रही भारतीय टीम को अब स्वदेश लौटने के बाद काफी आत्ममंथन करना होगा। वहीं गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अब 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया की नजरें जहां अब लगातार दूसरी बार डब्ल्यूटीसी मेस (गदा) जीते पर टिकी होंगी तो वहीं इस चैंपियनशिप की शुरुआत के बाद से यह पहला मौका होगा जब भारत फाइनल नहीं खेलेगा। भारतीय टीम पिछली दो बार की उप विजेता है। कप्तान जसप्रीत बुमराह पीठ में जकड़न के बावजूद अगर गेंदबाजी करने की स्थिति में होते तो 162 रन का लक्ष्य मुश्किल हो सकता था लेकिन उनकी गैरमौजूदगी में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर इस स्कोर का बचाव करना लगभग असंभव था। बुमराह को पांच मैच में 32 विकेट चटकाने के लिए श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया लेकिन भारत के लचर प्रदर्शन के लिए यह कोई सांत्वना की स्थिति नहीं थी।

सीनियर खिलाड़ियों से बोले गावस्कर

रणजी ट्रॉफी ना खेलने का कोई बहाना नहीं होना चाहिए

सिडनी (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने रविवार को भारतीय बल्लेबाजों से बिना किसी बहाने के रणजी ट्रॉफी में खेलने का आग्रह किया जिससे कि तकनीकी कमियों को दूर किया जा सके जिसके कारण न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम को लगातार दो श्रृंखला में हार झेलनी पड़ी।

गावस्कर ने कहा कि न्यूजीलैंड के

खिलाफ घरेलू मैदान पर और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई श्रृंखला में भारतीय बल्लेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन चिंताजनक है। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ स्वदेश में 0-3 से क्लीरनस्वीप का सामना करना पड़ा था जबकि ऑस्ट्रेलिया में टीम को 1-3 से हार झेलनी पड़ी। गावस्कर ने कहा, '23 जनवरी को रणजी ट्रॉफी का अगला दौर है। देखते हैं कि इस टीम के कितने खिलाड़ी खेलते हैं। नहीं खेल पाने का कोई बहाना नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'अगर आप उन मुकाबलों में नहीं खेलते हैं तो गौतम गंभीर को उन खिलाड़ियों के खिलाफ कुछ कड़े फैसले लेने होंगे जो रणजी ट्रॉफी के लिए उपलब्ध नहीं हैं। गावस्कर ने कहा, 'गंभीर को कहना चाहिए कि तुम्हारे पास वह प्रतिबद्धता नहीं है। हमें प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। तुम खेल नहीं रहे हो। तुम जो करना चाहते हो, करो। लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिए तुम टेस्ट टीम में वापस नहीं आ सकते।

गावस्कर ने कहा कि उपलब्ध अवसरों पर घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण भारतीय बल्लेबाजों के रवैये में खामियां आ गई हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने जो देखा वह तकनीकी कमियां थीं। यदि आप समान गलतियां कर रहे हैं और मैं केवल इस श्रृंखला के बारे में बात नहीं कर रहा हूं - मैं न्यूजीलैंड श्रृंखला के बारे में भी बात कर रहा हूं - आपने भारत में न्यूजीलैंड के खिलाफ क्या किया?

गावस्कर ने कहा कि आगामी 2025-2027 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र को देखते हुए घरेलू क्रिकेट महत्वपूर्ण हो जाता है और भारत को अब यशस्वी जायसवाल और नितीश कुमार रेड्डी जैसे युवा क्रिकेटरों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'वे भारत और खुद के लिए नाम कमाने के लिए भूखे हैं। ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है। आपको ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो अपने विकेट की रक्षा अपनी जान की तरह करें।

गावस्कर ने कहा, 'इसलिए मुझे दिलचस्पी है कि 23 जनवरी को रणजी ट्रॉफी मैचों में कौन खेलेगा? मैं यह देखना चाहता हूं। क्योंकि उस समय इंग्लैंड के खिलाफ टी20 मैच होंगे। लेकिन जो लोग टी20 नहीं खेल रहे हैं वे रणजी ट्रॉफी मैच खेलेंगे या नहीं?

मैगनस कार्लसन और एला विक्टोरिया मालोन शादी के बंधन में बंधने को तैयार

नॉर्वे (एजेंसी)। शातरंज जगत से एक बड़ी खबर सामने आ रही है हालांकि यह शतरंज के बोर्ड की खबर नहीं है !दुनिया के महान शतरंज खिलाड़ी , पाँच बार के क्लासिकल विश्व चैम्पियन और हाल ही में ब्लिट्ज शतरंज विश्व चैंपियन बने मैग्नस कार्लसन इस सप्ताहांत एला विक्टोरिया मालोन से शादी करने जा रहे हैं। कार्लसन और मालोन पिछले एक साल में कई टूर्नामेंट्स में साथ नजर आए हैं। पहली बार ये जोड़ी फरवरी में जर्मनी में एक टूर्नामेंट के दौरान सार्वजनिक रूप से साथ दिखी। तब से, मालोन ने कई बार कार्लसन का साथ दिया है। अब, यह जोड़ी अपने रिश्ते को शादी में बदलने जा रही है।

शादी की गोपनीयता - यह शादी इस सप्ताहांत में होगी, लेकिन स्थान और समय को गुप्त रखा गया है ताकि वे शांति से अपने इस खास दिन का जश्न मना सकें। शादी की पुष्टि कार्लसन और मालोन ने अपने दोस्त मैग्नस बारस्टाड के माध्यम से की है। हाल ही में, मैग्नस कार्लसन ने ब्लिट्ज शतरंज विश्व चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता, जिसे उन्होंने रूसी शतरंज खिलाड़ी

यान नेपोमनियाची के साथ साझा किया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद कार्लसन ने कुल 18 विश्व खिताब अपने नाम कर लिए हैं।

भविष्य में सिंगापुर या स्पेन में बस सकते है कर्सलन - कार्लसन ने अक्टूबर में एक इंटरव्यू में कहा था कि वह भविष्य में नॉर्वे में पूर्णकालिक नहीं रहना चाहते।

पीएम मोदी ने शतरंज खिलाड़ी हम्पी से मुलाकात के बाद उन्हें खेल जगत की महान हस्ती बताया

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यहां ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी से मुलाकात की और उन्हें 'खेल जगत की महान हस्ती' करार दिया जिन्होंने न्यूयॉर्क में फिडे महिला विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप अपने नाम की थी। हम्पी ने अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और इसे जिंदगी में एक बार मिलने वाला सौभाग्य बताया। प्रधानमंत्री ने इस मुलाकात के बाद ट्वीट किया, ''कोनेरू हम्पी और उनके परिवार से मिलकर खुशी हुई। वह एक खेल जगत की महान हस्ती हैं और महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी तीक्ष्ण बुद्धि और अटूट दृढ़ स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने न सिर्फ भारत को गौरवान्वित किया है बल्कि उत्कृष्टता को भी नए सिरे से परिभाषित किया है। हम्पी ने रविवार को न्यूयॉर्क में प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में इंडोनेशिया की इरीन सुकंदर को हराकर भारतीय शतरंज के लिए एक शानदार वर्ष का समापन किया। हम्पी ने ट्वीट किया, ''अपने परिवार के साथ हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलना बेहद सम्मान की बात है और यह जीवन में एक बार मिलने वाला सौभाग्य था।

बीजीटी ट्रॉफी देने के लिए बॉर्डर के साथ गावस्कर को नहीं बुलाया, दिग्गज क्रिकेटर नाराज

सिडनी(एजेंसी)। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने अपने और एलेन बॉर्डर के नाम पर दी जाने वाली ट्रॉफी ऑस्ट्रेलियाई टीम को प्रदान करने के लिए बुलाए नहीं जाने पर नाराजगी जताई है। ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें और आखिरी टेस्ट में भारत को छह विकेट से हराकर 10 साल में पहली बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीती।

बॉर्डर ने आस्ट्रेलियाई टीम को ट्रॉफी प्रदान की जबकि उस समय मैदान पर मौजूद होने के बावजूद गावस्कर को बुलाया नहीं गया। गावस्कर ने बाद में कोड स्पोर्टस से कहा, 'मुझे पुरस्कार वितरण समारोह में जाकर खुशी होती। आखिरकार यह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी है और ऑस्ट्रेलिया तथा भारत से जुड़ी है। उन्होंने कहा, 'मैं मैदान पर ही था। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया को दी जा रही थी। उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला और जीते। ठीक है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ इसलिए कि मैं एक भारतीय हूं। अपने अच्छे दोस्त एलेन बॉर्डर के साथ ट्रॉफी प्रदान करके मुझे खुशी होती।

भारत और ऑस्ट्रेलिया 1996-97 से बॉर्डर

गावस्कर ट्रॉफी के लिए खेल रहे हैं। इस बार पांच मैचों की श्रृंखला में पिछले सप्ताह मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर अब तक का दर्शक संख्या का रिकॉर्ड टूटा है। भारत के लिए यह सीरीज हारने के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने का सपना भी खत्म हो गया।

अगर टेस्ट क्रिकेट को लेकर प्रतिबद्धता है तो...

बीजीटी सीरीज हार के बाद गंभीर का खिलाड़ियों को मैसेज

सिडनी(एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रविवार को कहा कि खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली में उत्कृष्ट प्रदर्शन की ललक है लेकिन उन्होंने इन दोनों के समेत सभी सीनियर खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलकर टेस्ट क्रिकेट के लिए अपनी प्रतिबद्धता साबित करने का आग्रह किया। दो बार विश्व कप विजेता रह चुके स्पष्टवादी गंभीर ने इसे लेकर भी कोई आश्वासन नहीं दिया कि रोहित या कोहली आगे टेस्ट टीम का हिस्सा होंगे या नहीं।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 1-3 से मिली हार के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेलने का मौका भी गंवा दिया। गंभीर ने कहा, 'अभी इस पर बात करने का समय नहीं है कि पांच महीने बाद हम कहां होंगे। खेल में बहुत कुछ बदलता है। फॉर्म बदलता है, लोग बदलते हैं, तेवर बदलते हैं, सब कुछ बदल जाता है। हमें पता है कि पांच महीने लंबा समय है।

उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला (जुलाई) के समय देखेंगे कि क्या होता है। लेकिन जो भी होगा, वह भारतीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ हित में होगा। रोहित ने खराब फॉर्म के कारण आखिरी टेस्ट से खुद को बाहर रखने से पहले पांच पारियों में 31 रन बनाये जबकि कोहली नौ पारियों में 190 रन ही बना सके। कोहली आठ बार स्लिप में कैच देकर आउट हुए।

यह पूछने पर कि क्या वह चाहते हैं कि सीनियर खिलाड़ी 23 जनवरी से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी में कम से कम एक दौर खेलें, उन्होंने साफ तौर पर कहा, 'मैं हमेशा चाहता हूं कि सभी घरेलू क्रिकेट खेलें। घरेलू क्रिकेट को इतनी तवज्जो मिलनी चाहिए। सिर्फ एक मैच नहीं, अगर वे उपलब्ध हैं और टेस्ट क्रिकेट को लेकर प्रतिबद्ध हैं तो हर किसी को घरेलू क्रिकेट खेलनी चाहिए। अगर आप घरेलू क्रिकेट को महत्व नहीं देते तो टेस्ट क्रिकेट के लिये वैसे खिलाड़ी कभी नहीं निकलेंगे जैसे चाहिए।

कोहली ने आखिरी बार 2012 में और रोहित ने 2015-16 में रणजी ट्रॉफी खेला था। रोहित और कोहली के भविष्य को लेकर अटकलबाजी का हिस्सा बनने से इनकार करते हुए उन्होंने कहा कि वे दोनों ही तय करेंगे कि भारतीय क्रिकेट के लिये क्या सर्वश्रेष्ठ है। मैं किसी खिलाड़ी के भविष्य के बारे में बात नहीं कर सकता।

देवजीत सैकिया ही बीसीसीआई के सेक्रेटरी बनेंगे

नॉमिनेशन फाइल किया, 12 जनवरी को बोर्ड मीटिंग में निर्विरोध चुने जा सकते हैं

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के इंटरिम सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ही बोर्ड के अगले सेक्रेटरी होंगे। उन्होंने सचिव पद के लिए नॉमिनेशन फाइल कर दिया है। 4 जनवरी को नॉमिनेशन की आखिरी तारीख थी, उनके अलावा किसी और ने नॉमिनेशन फॉर्म नहीं भरा। 12 जनवरी को बीसीसीआई में सचिव और कोषाध्यक्ष के पद पर उपचुनाव होंगे। दूसरा कोई उम्मीदवार नहीं होने के चलते सैकिया ही सचिव पद पर कायम रहेंगे। उन्होंने दिसंबर में जय शाह की जगह संभाली थी, जो अब इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के चेयरमैन बन गए हैं।

प्रभतेज भाटिया कोषाध्यक्ष होंगे - बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष पद के लिए भी एक ही नॉमिनेशन फाइल हुआ।

प्रभतेज सिंह भाटिया ने इस पद के लिए नामांकन भरा, ऐसे में उपचुनाव में उनका भी निर्विरोध ही चुना जाना कन्फर्म है। 4 जनवरी को शाम 5 बजे तक नामांकन भरना था। 6 जनवरी तक नॉमिनेशन की जांच होगी, फिर 12 जनवरी को इलेक्शन होंगे।

12 जनवरी को बीसीसीआई की मीटिंग भी - उपचुनाव कराने के लिए बीसीसीआई ने अब तक ऑफिशियल अप्रूवल नहीं लिया है। हालांकि, 12 जनवरी को ही बोर्ड की स्पेशल जनरल मीटिंग है। इलेक्शन कमिशन की पूर्व चीफ एके ज्योति बीसीसीआई उपचुनाव की इलेक्टोरल ऑफिसर हैं। वह ही इलेक्शन कंडक्ट कराएंगी।

असम क्रिकेट एसोसिएशन का हिस्सा हैं सैकिया - देवजित सैकिया 6 दिसंबर को ही बीसीसीआई के इंटरिम सेक्रेटरी बनाए गए थे। वह असम क्रिकेट एसोसिएशन का हिस्सा हैं। जिन्होंने जय शाह की जगह ली। पहले खबरें आ रही थीं कि अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली सेक्रेटरी बनेंगे, लेकिन पिछले महीने ही जॉइंट सेक्रेटरी सैकिया का नाम आगे आ गया। दूसरी ओर, भाटिया छत्तीसगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन का हिस्सा हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान ऑनलाइन में सुनी नागरिकों की समस्याएं, निराकृत हुए लंबित प्रकरण

पन्ना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों की समस्याएं लंबे समय तक लंबित रखने वाले दोषी अधिकारी-कर्मचारी दंडित किए जाएंगे। आमजन का कल्याण ही राज्य सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। राजस्व, छात्रवृत्ति वितरण सहित अन्य योजनाओं की स्वीकृति और योजनाओं की राशि वितरण संबंधी कोई भी कार्य लंबित नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समाधान ऑनलाइन में विभिन्न जिलों के नागरिकों के लंबित प्रकरणों में समाधान करवाया। इस मौके पर कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी व्हीसी कक्ष में कलेक्टर सुरेश कुमार, पुलिस अधीक्षक सांईं कृष्ण एस थोटा, जिपं सीईओ संघ प्रिय सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीएम हेल्पलाइन में उल्लेखित शिकायतों के निराकरण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों और सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि लंबित प्रकरण का तत्काल निराकरण करें। जनकल्याण के कार्य को गति देने के लिए अभियान चल रहा है। आगामी 26 जनवरी तक घर-घर जाकर नागरिकों को योजनाओं से लाभान्वित करने का अभियान गत 11 दिसंबर से संचालित है। जनकल्याण अभियान की गतिविधियां 22 जनवरी तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजस्व संबंधी कार्य पूरी प्रक्रिया के साथ पूर्ण हों। उदाहरण के लिए बंटवारा आदेश ही पर्याप्त नहीं है, उसे नक्शे में दर्शाना भी आवश्यक है। नामांतरण और सीमांकन के कार्यों में भी पूर्ण प्रक्रिया कर कार्य किए जाएं। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों के हित में प्रमुख सुविधाओं को प्रदान करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सायकिल वितरण, गणवेश, किताब, छात्रवृत्ति एवं छात्रावास की सुविधा एवं छात्रावास न उपलब्ध होने पर किराए पर लिए गए कक्ष का किराया दिलवाने का कार्य भी किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभियान चलाकर पारदर्शिता और शुचिता के साथ स्कूलों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने का कार्य किया जाए। शालाओं में नामांकन बढ़ाने के लिए भी अभियान चलाएं। स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में प्रयास करने की आवश्यकता है। परीक्षा प्रणाली, टास्क फोर्स समिति की बैठक, भवनविहीन स्कूलों में व्यवस्थाएं आदि की शीघ्र ही विस्तृत समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा कलेक्टर्स को मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान को गति देने और नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर सुव्यवस्था स्थापित करने को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में जिला किस तरह अग्रणी हो, इसके लिए स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा हो। समाज के युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों के कल्याण के लिए योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को प्राथमिकता दी जाए। विशेष उपलब्धियों का आवश्यक प्रचार भी सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सर्दी में रैन बसेरों में रहने वाले व्यक्तियों की अच्छी देखभाल सुनिश्चित करें। समय-समय पर रैन बसेरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लें। इसके साथ ही कलेक्टर, थानों का आकस्मिक निरीक्षण भी करें। जनप्रतिनिधियों से संवाद और सम्पर्क में कमी नहीं होना चाहिए। मुख्य सचिव अनुराग जैन द्वारा प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया के रोगियों के उपचार के संबंध में कलेक्टर को निर्देशित किया गया।

देवेंद्रनगर प्रीमियर लीग के समापन की तारीखों में बदलाव

रजनी बागरी को सम्मानित किया गया

देवेंद्रनगर। देवेंद्रनगर में 25 दिसंबर 2024 से शुरू हुए देवेंद्र नगर प्रीमियर लीग (डी.एन.पी.एल.) क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल की तारीखों में बदलाव किया गया है। कुछ मैचों के बारिश के कारण रद्द हो जाने के बाद, अब सेमीफाइनल 8 और 9 जनवरी 2025 को खेले जाएंगे, जबकि फाइनल 10 जनवरी 2025 को होगा। इस बीच, 3 जनवरी 2025 को शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल में दमोह और राठ पनवाड़ी के बीच एक रोमांचक मैच खेला गया। राठ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 118 रन बनाए, लेकिन दमोह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महज 12 ओवर में मैच समाप्त कर दिया। इस मैच के दौरान, मुख्य अतिथि के रूप में रजनी बागरी की उपस्थिति ने आयोजन को और भी खास बना दिया। रजनी बागरी हाल ही में एमपीपीएससी परीक्षा में रेंजर के पद के लिए चयनित हुई हैं। उनका सम्मान देवेंद्र नगर के लिए गर्व का विषय है, क्योंकि वह अपनी गांव की बेटी हैं और उनका इस सम्मान से क्षेत्र की प्रतिभाओं के लिए प्रेरणा मिलती है। 4 जनवरी 2025 को शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल में दमोह और बांदा के बीच एक रोमांचक मैच खेला गया। दमोह ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 111 रन बनाए, जिसके जवाब में बांदा की टीम ने केवल 6-6रू30 ओवर में मैच जीत लिया। इस मैच के दौरान, मुख्य अतिथि डॉ. विवेक पटेल की उपस्थिति ने आयोजन को और भी खास बना दिया। 5 जनवरी 2025 को देवेंद्र नगर की बीपीएल टीम और अमरपाटन के बीच एक और रोमांचक मैच खेला जाएगा, जो टूर्नामेंट में एक महत्वपूर्ण मुकाबला होगा। यह आयोजन बच्चों को खेलों के प्रति प्रेरित करने और क्षेत्रीय प्रतिभाओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। भाजपा के मंडल अध्यक्ष अरविंद सिंह, उमेश पाठक, शुभम श्रीवास्तव समेत अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। विधायक डॉ. राजेश वर्मा इस आयोजन के प्रमुख प्रायोजक हैं, हालांकि वह 3 जनवरी के कार्यक्रम में उपस्थित नहीं थे। यह आयोजन स्थानीय खिलाड़ियों और क्षेत्रवासियों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत साबित हुआ और आगामी दिनों में देवेंद्र नगर में और भी खेल आयोजन आयोजित किए जाने की संभावना है।

शराब के नशे में वाहन चलाने वालों पर की गई प्रभावी कार्यवाही

पन्ना। पन्ना पुलिस द्वारा शराब पीकर बाहन चलाना, अवैध मादक पदार्थ संग्रह विक्रय एवं परिवहन करने वालों तथा सार्वजनिक स्थानों में नशाखोरी कर रहे नशाखोरों के विरुद्ध निरंतर सख्त से सख्त कार्यवाही की जा रही है। पुलिस मुख्यालय पी0टी0आर0आई0 भोपाल म0प्र0 के आदेशानुसार, पुलिस अधीक्षक पन्ना साई कृष्णा एस थोटा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती आरती सिंह निर्देशन में समस्त थाना प्रभारियों को शराब पीकर बाहन चलाने बालों के विरूध्द प्रभावी कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया था। इसी तारतम्य मे कल दिनाँक 03/01/2025 को थाना प्रभारी कोतवाली निरी0 रोहित मिश्रा द्वारा बाहन चौकिंग दौरान 02 बाहन चालको को शराब पीकर बाहन चलाते पाए जाने पर 01 मोटरसाईकिल एंव एक टैक्सी को जप्त किया गया। थाना प्रभारी सिमरिया निरी0 जगतपाल सिंह द्वारा बाहन चौकिंग दौरान 02 बाहन चालको को शराब पीकर बाहन चलाते पाए जाने पर 02 ट्रकों जप्त किया गया, यातायात प्रभारी निरी नीलम लक्ष्कार द्वारा 01 ट्रक चालक शराब के नशे मे ट्रक चलाते पाए जाने पर ट्रक जप्त किया गया एवं थाना प्रभारी गुनौर निरी0 सुशील अहिरवार द्वारा 01 फोरव्हीलर कार शराब पीकर चलाते पाए जाने पर 185 एम व्ही एक्ट के तहत कार्यवाही की जाकर बाहनो को जप्त किया गया है, जिनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जावेगा।

स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में ब्रेल दिवस का भव्य आयोजन

पन्ना। श्रीराम शिक्षा प्रसार एवं ग्रामीण विकास समाज उत्थान समितिष् द्वारा संचालित जिले के सर्वोच्कृष्ट संस्थान स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय एवं स्वामी विवेकानंद आवासीय दिव्यांग संस्थान पन्ना में आज दिनांक 4 जनवरी 2025 को विश्व ब्रेल दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दिनेश प्रताप सिंह जी द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा एवं लुइस ब्रेल की छाया पृथ्वी पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सहायक प्राध्यापक प्रतिभा वर्मा द्वारा कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया। दिनेश प्रताप सिंह जी द्वारा विश्व ब्रेल दिवस पर बताया गया कि विश्व ब्रेल दिवस, जिसे वर्ष 2019 से मनाया जा रहा है, अंधे और आंशिक रूप से दृष्टिहीन लोगों के मानवाधिकारों की पूर्ण प्राप्ति में संचार के साधन के रूप में ब्रेल के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। जो दृष्टिहीन और कम नजर वाले व्यक्तियों के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। इस दिन को लुई ब्रेल के सम्मान में मनाया जाता है, जिन्होंने ब्रेल लिपि का आविष्कार किया। जिससे दृष्टिहीन लोगों को पढ़ने और लिखने में सहूलियत मिली, ब्रेल लिपि ने दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया और उन्हें शिक्षा और आत्मनिर्भरता का अवसर प्रदान किया .यह दिन ब्रेल लिपि के महत्व और इसके द्वारा जीवन में लाई गई सकारात्मक बदलावों को याद करने का अवसर है। श्रीमती वर्षा शर्मा द्वारा बताया गया कि दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए ब्रेल लिपि की खोज की थी, ब्रेल लिपि का विकास करने से दृष्टिहीनों को अपनी पढ़ाई और लिखाई में आसानी हुई, इस दिन को मनाने का उद्देश्य समाज में ब्रेल लिपि की महत्वता को बढ़ावा देना और जागरूकता फैलाना है। अंजू लता पांडे द्वारा अपने उद्बोधन प्रस्तुत किए गए कि यह दिन लुई ब्रेल के योगदान को मान्यता देने के लिए मनाया जाता है।

श्री रूपेंद्र सर, श्रीमती स्वाति सिंह द्वारा बताया गया कि लुई ब्रेल ने 1824 में ब्रेल लिपि का विकास किया था, वह स्वयं एक दृष्टिहीन व्यक्ति थे, और अपनी शिक्षा के दौरान उन्हें यह महसूस हुआ कि दृष्टिहीनों के लिए कोई उपयुक्त लिपि नहीं है, इसके बाद उन्होंने छह बिंदुओं की एक लिपि विकसित की, जो दृष्टिहीनों को पढ़ने और लिखने में सक्षम बनाती है, उनका यह आविष्कार आज भी लाखों दृष्टिहीन लोगों के लिए एक वरदान साबित हो रहा है। ये छह बिंदु 2 पंक्तियों और 3 कॉलम में व्यवस्थित होते हैं, जिनका संयोजन विभिन्न अक्षरों, संख्याओं और चिन्हों को व्यक्त करने के लिए किया जाता है, यह लिपि दृष्टिहीन व्यक्तियों को पढ़ने के लिए आसान और प्रभावी माध्यम प्रदान करती है, ब्रेल के चिह्नों का यह विशिष्ट पैटर्न हर भाषा और लेखन प्रणाली में अपनाया जा सकता है। श्री धीरज सेन सर द्वारा कार्यक्रम का समापन करते हुए आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ द्वारा सहभागिता निभाई गई।

चमत्कारी संत श्री राम लला सरकार का दिव्य दरबार अब झारखंडन धाम सकरिया में प्रत्येक शनिवार

केवल चेहरा देखकर बता देते हैं भूत भविष्य और वर्तमान

पन्ना। विश्व प्रसिद्ध भविष्यवक्ता त्रिकालदर्शी एवं चमत्कारी संत श्री राम लला सरकार का दिव्य दरबार अब प्रत्येक शनिवार को झारखंडन धाम सकरिया पन्ना में लगेगा, आश्रम में बढ़ती भीड़ को देखते हुए श्री राम लला सरकार ने यह निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य देश को हिंदू राष्ट्र और गाय को राष्ट्र माता घोषित करवा कर देश के समस्त बूचड़खाने बंद करवाने का है, जिसके लिए वह देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में अनुष्ठान कर रहे हैं। विगत एक माह से झारखंड धाम में पधारे हैं लेकिन बीच-बीच में उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक अनुष्ठान के लिए जाना पड़ता है। ऐसे में कई बार आश्रम मे पहुंचने वाले लोगों को बिना मुलाकात के ही लौटना पड़ता है, जिसे देखते हुए महाराज ने प्रत्येक शनिवार को दिव्य दरबार लगाने का फैसला लिया है। अन्य दिनों में व्यक्तिगत मुलाकात कर सकते हैं।

सावित्रीबाई फुले जयंती मनाई गई

अजयगढ़। दिनांक 3 जनवरी 2025 को राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले जयंती समारोह में मुख्य रूप से महानुभावों के साथ साथ काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सावित्रीबाई फुले, तथागत गौतमबुद्ध, ज्योतिबाफुले और बाबा साहिब की पूजा अर्चना के बाद तहसीलदार डी.आर. अहिरवार ने दी जानकारी। अध्यक्ष भीम भारती सेवा संघ ठठै अजयगढ़ के अध्यक्ष के साथ साथ आर.डी. आरख, मनीराम अहिरवार,ए पी प्रजापति, मूरत सिंह खैरवार, नन्हूं लाल अहिरवार, प्रबंधक रामकिशोर अहिरवार, रचना अहिरवार,भूपत आदिवासी, वीरेंद्र अहिरवार, राजकुमार जाटव, राजकुमार जाटव आदि वक्ताओं ने सावित्री बाई फुले के संबंध में उनके व्यक्तित्व और कृतित्व के संबंध में छात्र छात्राओं व जनता को लाभान्वित किया।

ग्राम पंचायत का बड़ा कारनामा, गरीब दलित किसान की जमीन पर बना दी पुलिया

पन्ना। पन्ना जिले में मनमानी का आलम लगातार जारी है सबसे अधिक भराशाही ग्राम पंचायत में चल रही है ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा मनमाने ढंग से कार्य किया जा रहा है जिससेलोग भारी परेशान है शासकीय योजनाओं में जहां एक और व्यापक भ्रष्टाचार चल रहा है वहीं दूसरी ओर सरपंचों उप यांत्रियों की मनमानी चल रही है इसी प्रकार का मामला गुनौर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत स्थानीय का प्रकाश में आया है सरपंच सचिव द्वारा एक गरीब किसान की जमीन पर पुलियों का निर्माण कर दिया गया है जिससे गरीब किसान को भारी भारी नुकसान हो रहा है तथा उसकी जमीन काभारी रकबा पुलियों में चला गया है जबकि पुलियों का निर्माण शासकीय जमीन पर होना चाहिए था लेकिन सरपंच सचिव द्वारा यह कारनामा किया गया है पीड़ित दलित किसान भदाई राम चौधरी ने तहसीलदार गुनौर को आवेदन देकर कार्यवाही करने की मांग की है।

सुनील राजपूत ने किया 15 वीं बार रक्तदान

पन्ना। जिले के महोड़ निवासी सुनील सिंह राजपूत पिता बुद्ध सिंह राजपूत उम्र 33 वर्ष द्वारा आज 15 वी बार स्वेच्छा से रक्त दान करने कब पुनीत कार्य किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बहरवारा अजयगढ़ निवासी रविशंकर पाठक को बी पॉजिटिव खून की अत्यंत जरूरत थी। उनके घर परिवार में कोई भी व्यक्ति खून देने के लिए इस समय सक्षम नहीं था। जैसे ही जानकारी समाजसेवी राम बिहारी गोस्वामी ने सोशल मीडिया पर प्रसारित की गई। सोशल मीडिया के माध्यम से सुनील सिंह राजपूत हाल निवास डायमंड चौराहा पन्ना महोड़ को जानकारी प्राप्त हुई वह बिना किसी बिलंब के जिला अस्पताल पन्ना पहुंचे और उन्होंने आज 15 बी बार स्वेच्छा से खून दान करने का पुनीत कर किया है। रक्तदाता सुनील राजपूत ने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को वर्ष मे तीन से चार बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। रक्तदान करने से हृदय घात संबंधी बीमारी तथा ब्रेन हेमरेज जैसी घातक बीमारियों से स्वयं का बचाव होता है। इसके साथ ही जब आप समय पर किसी व्यक्ति को खूनदान करते हैं तो उस व्यक्ति को जीवन बचाने का पुनीत कार्य करते हैं। इसलिए समय-समय पर रक्तदान जरूर करें। रक्तदान के इस पुनीत कार्य में समाजसेवी राम बिहारी गोस्वामी का सराहनीय योगदान रहा।

जिपं सीईओ ने पंचायत सचिव चतुरेश मिश्रा के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराने के दिए निर्देश

बगैर कार्य कराए आठ लाख से अधिक राशि के आहरण पर हुई कार्यवाही

पन्ना। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं न्यायालय विहित प्राधिकारी (पंचायत) द्वारा पन्ना विकासखण्ड की ग्राम पंचायत सुनहरा अंतर्गत पांच निर्माण कार्यों में शासकीय राशि के गबन पर तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव चतुरेश मिश्रा के विरूद्ध तीन दिवस में पुलिस थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश जनपद पंचायत सीईओ पन्ना को दिए गए हैं। ग्राम सुनहरा के नारायण प्रसाद द्वारा जनसुनवाई में निर्माण कार्यों में व्यापक भ्रष्टाचार करने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया था। इस पर जनपद पंचायत पन्ना सीईओ द्वारा विस्तृत जांच कराई गई। प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में उल्लेखित बिन्दुओं के आधार पर पूर्व सरपंच गुलाबबाई चौधरी एवं तत्कालीन सचिव चतुरेश मिश्रा द्वारा निर्माण कार्यों में बगैर कार्य व मूल्यांकन के राशि का नियम विरूद्ध आहरण करना पाया गया तथा प्रतिवेदन में आहरित राशि की वसूली अधिरोपित करने की अनुशंसा की गई। प्रस्तुत जांच रिपोर्ट के आधार पर म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 92 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर धारा 89 अंतर्गत संबंधितों को सुनवाई का अवसर प्रदान कर कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया एवं समक्ष में उत्तर प्राप्त कर पक्ष भी सुना गया। अन्य विधिवत कार्यवाही उपरांत सरपंच एवं सचिव को बगैर कार्य के आहरित राशि जमा कराने के निर्देश भी दिए गए, लेकिन सचिव द्वारा संपूर्ण राशि 8 लाख 84 हजार 226 रूपए स्वयं जमा करने संबंधी आवेदन से प्रमाणित हुआ कि सचिव द्वारा ही पूर्व सरपंच को गुमराह कर राशि आहरित की गई है। सचिव को गत 3 दिसम्बर को पेशी में समक्ष में उपस्थित कराकर राशि जमा कराने के संबंध में अंतिम अवसर प्रदान किया गया था। इसके बावजूद अब तक राशि जमा नहीं कराने और निर्माण कार्य पूर्ण नहीं कराने पर तत्कालीन सचिव चतुरेश मिश्रा को शासकीय राशि के गबन का दोषी पाया गया और सचिव के विरूद्ध संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए।

अखिल भारतीय फुटबॉल टूर्नामेंट 19 से 26 जनवरी तक

बीते वर्षों की याद एक बार फिर ताजी होगी क्योंकि फुटबॉल को लेकर पन्ना में खिलाड़ियों की प्रतिभायें जानी जाती थी

पन्ना। जिला फुटबॉल संघ पन्ना के तत्वाधान में आगामी 19 से 26 जनवरी तक अखिल भारतीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन पन्ना नगर के नगरबाग स्टेडियम में होगा। टूर्नामेंट में लगभग 16 टीमें शामिल होंगी। फुटबॉल टूर्नामेंट के सफल आयोजन के दृष्टिगत कलेक्टर सुरेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक सांईं कृष्ण एस थोटा ने गत शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष, समिति सदस्य एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। जिला कलेक्टर ने फुटबॉल टूर्नामेंट के दौरान टीम के रूकने एवं भोजन की व्यवस्था सहित आवासीय स्थल से खेल ग्राउण्ड तक आवागमन एवं साफ-सफाई व्यवस्था, मेडिकल टीम एवं एम्बुलेंस की उपलब्धता के संबंध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा समस्त विद्यालयों के विद्यार्थियों की टूर्नामेंट के समापन दिवस पर उपस्थिति व बैठक व्यवस्था के संबंध में भी निर्देश दिए गए। बैठक में उपस्थित फुटबॉल संघ के पदाधिकारियों से जरूरी सुझाव भी प्राप्त किए गए। कलेक्टर श्री कुमार ने कहा कि टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए प्रशासनिक तौर पर संपूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने टीमों के चयन की जानकारी प्राप्त कर न्यूनतम मानक स्तर की टीम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित विभाग के अधिकारियों को भी जरूरी समन्वय के साथ बेहतर व्यवस्थाओं के लिए निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा खिलाड़ियों की सुरक्षा व यातायात व्यवस्था एवं आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा कर संघ के पदाधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में समय पूर्व अवगत कराने के लिए कहा। बैठक में नजरबाग स्टेडियम में सुरक्षा व्यवस्था के साथ द्वितीय प्रवेश द्वार भी बनाने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ संघ प्रिय सहित एसडीएम संजय कुमार नागवंशी, सीएमओ शशिकपूर गढ़पाले भी उपस्थित रहे।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, सोमवार 06 जनवरी 2025 | 8

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जनता दर्शन कार्यक्रम के तहत अमहिया स्थित निज निवास में आमजनों की समस्याएं सुनी। उन्होंने आमजनों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित किया।

शिक्षा व स्वास्थ्य समस्त विकास का अंतिम लक्ष्य है : उप मुख्यमंत्री

शासकीय शिक्षक संगठन द्वारा उप मुख्यमंत्री का किया गया अभिनंदन

उप मुख्यमंत्री ने 392 शिक्षकों के क्रमोन्नति आदेश प्रदान किए

रीवा

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि शिक्षा व स्वास्थ्य समस्त विकास का अंतिम लक्ष्य है। शिक्षा की गुणवत्ता व स्वास्थ्य की सुविधाएं जब रीवा में उत्कृष्ट होंगी तब ही रीवा का विकास पूर्ण होगा। उन्होंने शिक्षक समुदाय से अपेक्षा की कि विद्यार्थियों को शिक्षित करने के साथ-साथ संस्कारवान भी बनाएं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश द्वारा सम्मान किया गया। कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र को बेहतर बनाने में शिक्षक अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें साथ ही युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहने के लिए सजग करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के गढ़ने का कार्य शिक्षक ही करते हैं। इसलिए युवाओं को नशे जैसी विकृति से दूर रहने की समझाइश शिक्षक ही दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि समन्वित प्रयास से जिले में युवाओं को नशे से दूर रखने के सभी स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं और इसके सार्थक परिणाम भी सामने आए हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश आर्थिक तौर पर सशक्त हो रहा है। नदियों को जोड़ने के अटल जी के संकल्प को पूरा किए जाने का कार्य प्राथमिकता से जारी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भवनों का निर्माण, सीएम राइज व पीएमश्री विद्यालयों की स्थापना सहित अन्य अधोसंरचना विकास के कार्य कराए जा रहे हैं। शिक्षकों का दायित्व है कि वह अपने शिक्षकीय कार्य का निष्ठापूर्वक व ईमानदारी से निर्वहन करें और विकसित व सुसंस्कृत समाज के निर्माण में अपनी भूमिका को निभाएं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने 392 शिक्षकों के क्रमोन्नति आदेश सिंगल क्लिक के माध्यम से जारी किए। उप मुख्यमंत्री ने शिक्षकों की विभिन्न मांगो का शासन स्तर से समाधान किए जाने के लिए आश्वस्त किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता ने कहा कि रीवा जिला को स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश में उत्कृष्ट स्थान दिलाने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में संगठन के प्रांताध्यक्ष राकेश दुबे ने रीवा के विकास के लिए उप मुख्यमंत्री जी को साधुवाद दिया।

उन्होंने कहा कि श्री शुक्ल का हमेशा ही शिक्षकों की समस्याओं को निराकरण कराने में योगदान रहा है। इस अवसर पर यशपाल शर्मा ने मांग पत्र का वाचन किया। उप मुख्यमंत्री का शॉल, श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय, संगठन के जिलाध्यक्ष चन्द्रोदय मिश्रा सहित संगठन के पदाधिकारी, प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए शिक्षक तथा स्थानीय शिक्षक उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस की तैयारी बैठक आज

रीवा। गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह 26 जनवरी को एसएएफ मैदान में आयोजित किया जाएगा। समारोह की तैयारी बैठक 6 जनवरी को टीएल बैठक के पश्चात आयोजित की जा रही है। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल समारोह के तैयारियों की विभागवार समीक्षा करेंगी। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

नि:शुल्क जांच परीक्षण शिविर आज

रीवा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जन्मजात विकृति, कटे-फटे होंठ एवं तालू से ग्रसित बच्चों का नि:शुल्क उपचार किया जाता है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत 6 जनवरी को जिला चिकित्सालय में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें कटे-फटे होठ व तालू से ग्रसित बच्चों का परीक्षण व उपचार किया जाएगा।

सांसद तथा विधायक ने कंदैला तथा टमस समूह जल प्रदाय योजना का किया निरीक्षण

रीवा। सांसद श्री जनार्दन मिश्र तथा विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति ने कंदैला और टमस और ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना का निरीक्षण किया। सांसद तथा विधायक ने कंदैला में इंटेक वेल और जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण कर जल प्रदाय योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद सांसद श्री मिश्र ने बाणसागर समूह जल प्रदाय योजना के ग्राम डबरई झिन्ना में निर्माणाधीन इंटेक वेल, जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम रजहा कोठरा तथा लेडुआ में निर्मित उच्च स्तरीय टंकी तथा ग्राम पन्नी में पाइप लाइन बिछाने के कार्य को भी देखा। निरीक्षण के दौरान सांसद ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत हर घर को नल से जल की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाएगी। इसके लिए लगातार कंपनी द्वारा पाइप लाइन बिछाकर नल कनेक्शन देने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल प्रदाय योजना के सभी निर्माण कार्य तेजी से पूरा करें और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। पाइपलाइन बिछान के बाद खोदे के स्थल का अच्छे से समतलीकरण करें जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका न रहे। इस अवसर पर जल निगम रीवा के महाप्रबंधक चित्रांशु, प्रबंधक नीतेश सिंह, प्रबंधक जनसहभागिता डॉ नंदकिशोर पचौरी तथा सहायक प्रबंधक रूपेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

जेल महानिदेशक ने किया जेल का औचक निरीक्षण

रीवा। महानिदेशक जेल श्री जीपी सिंह ने केन्द्रीय जेल का औचक निरीक्षण कर बंदी वार्डों, जेल अस्पताल, कार्यालय का भ्रमण किया। उन्होंने जेल की सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरे के कंट्रोल रूम, इलेक्ट्रिक वायर फेंसिंग व बंदियों के उपचार व्यवस्था का अवलोकन किया तथा बंदियों से भेंट कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। महानिदेशक जेल ने बंदियों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता देखी तथा जेल की स्वच्छता, प्रशासनिक व्यवस्था

नर्सरी से आठवीं तक की कक्षाएं सुबह 10 बजे के बाद होंगी संचालित

रीवा। जिले में ठंड का प्रकोप बढ़ने से तापमान में अचानक गिरावट आई है। जिसके कारण शालेय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल असाध्य रोगों के इलाज के लिए मील का पत्थर बन रहा है : शुक्ल

जटिल व कठिन ओपन हार्ट सर्जरी करने वाले चिकित्सकों को उप मुख्यमंत्री ने दी बधाई

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सुपर स्पेशलिटी अस्पताल असाध्य रोगों के इलाज के लिए मील का पत्थर बन रहा है। पहले जो कठिन व जटिल आपरेशन रीवा में नहीं होते थे और इनके इलाज की कोई विशेष सुविधा नहीं थी अब वह दूर हो गई है तथा लोगों को इलाज के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं है। श्री शुक्ल ने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल रीवा में गत दिवस साढ़े चार घंटे तक चले जटिल व कठिन ओपन हार्ट आपरेशन करने वाले चिकित्सकों को बधाई दी तथा मरीज से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी व शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833